फरीदाबाद की आवाज़

Email : faridabadkiawaz@gmail.com   Website : faridabadkiawaz.com   RNI No. -DELHIN/2017/76338

वर्ष : 09   अंक : 34   दिल्ली से प्रकाशित   सोमवार 27 जुलाई-2 अगस्त 2026   मूल्य : 5/- रु.   पृष्ठ : 8

देश की आवाज़

संक्षिप्त समाचार

राष्ट्रीय गीत का अपमान करना अब पड़ेगा भारी

नित्यानंद राय ने राज्यसभा में पेश किया वंदे मातरम बिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने शुक्रवार को राज्यसभा में राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम (संशोधन) विधेयक, 2026 पेश किया है। इस ऐतिहासिक फैसले का मकसद राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम को भी वही कानूनी सुरक्षा देना है, जो अभी राष्ट्रीय ध्वज और राष्ट्रीय गान यानी जन गण मन को मिली हुई है। अगर यह बिल संसद से पास हो जाता है, तो जानबूझकर वंदे मातरम के गायन में बाधा डालना, उसे रोकना या कार्यक्रम में व्यवधान पैदा करना कानून के तहत अपराध माना जाएगा।

सरकार का कहना है कि यह कदम राष्ट्रीय सम्मान और देश की सांस्कृतिक विरासत की रक्षा के लिए उठाया गया है। यह बिल 1971 के राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम अधिनियम में संशोधन का प्रस्ताव करता है। अभी इस कानून के तहत राष्ट्रीय ध्वज और राष्ट्रीय गान का अपमान दंडनीय है। संशोधन के बाद राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम को भी इसी कानून के दायरे में लाया जाएगा। बिल के अनुसार, अगर कोई व्यक्ति जानबूझकर वंदे मातरम के गायन को रोकता है या उसमें बाधा डालता है, तो उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई हो सकेगी। ऐसे मामले में अधिकतम तीन साल की जेल, जुर्माना या दोनों की सजा का प्रावधान प्रस्तावित किया गया है। हालांकि,यह तभी लागू होगा जब बिल संसद से पास होगा।

माता-पिता की जगह मोबाइल ले रहा, यह आपदा है

संयुक्त परिवार को लेकर सुप्रीम कोर्ट की अहम टिप्पणी

नई दिल्ली (एजेंसी)। संयुक्त परिवार प्रणाली के लगातार खत्म होने और एकल परिवारों में बच्चों को समय देने के बजाय मोबाइल-गैजेट्स थमा देने पर सुप्रीम कोर्ट ने गहरी चिंता और नाराजगी जताई है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यदि माता-पिता की जगह गैजेट्स (मोबाइल) ले लेंगे, तो यह स्थिति समाज के लिए विनाशकारी साबित होगी और आने वाली पीढ़ी पारिवारिक रिश्तों व बंधनों से पूरी तरह अनजान हो जाएगी। दरअसल, हाल ही में पति-पत्नी की हत्या की घटनाओं में, जिनमें सोनम रघुवंशी का मामला भी

शामिल है, इसका विश्लेषण करते हुए स्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस पीबी वराले की पीठ ने कहा कि यह बदलते समाज का प्रतिबिंब है। पीठ ने कहा कि वर्तमान पीढ़ी अधिक बुद्धिमान और जानकार है, लेकिन आज की पीढ़ी अत्यधिक दबाव झेलने में सक्षम नहीं है। कोर्ट ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि आजकल लोग व्हाट्सएप पर प्रसारित संदेशों पर भरोसा करते हैं और उन्हें ज्ञान मान लेते हैं। अदालत की चिंता से सहमत होते हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि यह एक सामाजिक समस्या बन गई है और मानवीय संबंधों में विश्वास कम हो रहा है तथा सहिष्णुता की कमी हो रही है।

गुजरात से लेकर महाराष्ट्र तक बारिश का तांडव

- अहमदाबाद-सूरत समेत 5 शहरों में पानी भरा,बाजार डूबे
- यूपी में सड़क पर नाव चली, असम में बाढ़ से त्राहिमाम

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूरे देश में मानसून की बारिश जारी है। दक्षिण गुजरात में भारी बारिश से कई जिले बाढ़ की चपेट में हैं। वलसाड के उमरगाम तालुका में 16 घंटों में 43 इंच बारिश हुई, जिससे निचले इलाके डूब गए हैं। राज्य के 11 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। नवसारी में बाढ़ में फंसे लोगों को हेलीकॉप्टर से एयरलिफ्ट किया गया। अहमदाबाद, सूरत में पानी भर गया। वाव-थराद जिले में बाजार डूब गए। वहीं महाराष्ट्र के भी बुरे हाल हैं। कई जिलों में बारिश आपदा बन गई है। यूपी में पिछले 10 दिनों से हो रही बारिश के चलते गंगा, यमुना समेत 10 नदियां उफान पर हैं। सीतापुर में पानी सड़क पर भर गया। ग्रामीण नाव से आ-जा रहे हैं। पटना, भोजपुर, बक्सर, गोपालगंज, सारण, वैशाली और सिवान समेत बिहार के 19 जिलों में आज भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है।

गुवाहाटी में मूसलाधार बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त, बढ़ी समस्या

असम की राजधानी गुवाहाटी में पिछले कुछ घंटों से हो रही मूसलाधार बारिश ने शहर की रफ्तार पर पूरी तरह से ब्रेक लगा दिया है। पूरे शहर में पानी भर जाने के कारण सड़कों पर कई किलोमीटर लंबा ट्रैफिक जाम लग गया है, जिसमें हजारों गाड़ियां और लोग घंटों से फंसे हुए हैं। सोशल मीडिया पर एक साथ जारी कई वीडियो में देखा जा सकता है कि बारिश इतनी तेज थी कि देखते ही देखते शहर के ज्यादातर इलाके जलमग्न हो गए। मुख्य सड़कों, बाजारों और रिहायशी इलाकों में घुटनों तक पानी भर गया है। सड़कों पर जलभराव के कारण कई गाड़ियां और बाइक पानी में बंद हो गईं, जिससे गाड़ियों की लंबी-लंबी कतारें लग गईं। ऑफिस से घर लौट रहे लोग और स्कूली बच्चे घंटों तक जाम में फंसे रहने को मजबूर हैं। बता दें कि शहर के प्रमुख क्षेत्रों जैसे जीएस रोड, जू रोड, गणेशगुड़ी में स्थिति सबसे ज्यादा खराब है।

नहीं बनी बात, प्रधान के इस्तीफे पर अटकी गाड़ी

- कॉकरोच पार्टी अड़ी,बोली-इस्तीफे पर समझौता नहीं

सरकार ने मांगा समय, केस वापसी पर बनी सहमति

नई दिल्ली (एजेंसी)। कॉकरोच जनता पार्टी और सरकार के बीच शुक्रवार को दिल्ली के कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में बैठक हुई। इसमें सरकार की तरफ से केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा, जितेंद्र सिंह और सीजेपी की तरफ से सौरभ दास, आशुतोष रांका शामिल हुए। बैठक के बाद सीजेपी के प्रवक्ताओं ने कहा,हम धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे पर कोई समझौता नहीं करेंगे। सरकार ने मुआवजा देने और प्रदर्शनकारियों के खिलाफ दर्ज केस वापस लेने पर सहमति जताई है। केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने बताया, 'दो घंटे की बातचीत में सीजेपी ने सरकार के सामने 3 प्रमुख मांगें और परीक्षा प्रणाली में सुधार के 5 सुझाव रखे हैं। हमनें ने इस पर विचार करने के लिए कल तक का समय मांगा है।' कॉकरोच जनता पार्टी के प्रतिनिधियों से करीब 2 घंटे तक चली बैठक के बाद केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने कहा, 'संगठन ने सरकार के सामने 3 प्रमुख मांगें और परीक्षा प्रणाली में सुधार के 5 सुझाव रखे हैं।

सोनम वांगचुक की भूख हड़ताल 27वें दिन खत्म

नड्डा ने जूस पिलाया,वांगचुक बोले-तीन मांगों पर लिखित आश्वासन मिला

नई दिल्ली (एजेंसी)। नीट पेपर लीक के खिलाफ 27 दिन से भूख हड़ताल पर बैठे सोनम वांगचुक ने गुरुवार देर रात अपना अनशन खत्म कर दिया। केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा और जितेंद्र सिंह गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल पहुंचे, जहां नड्डा ने वांगचुक को जूस पिलाकर अनशन तुड़वाया। वांगचुक ने शुक्रवार सुबह जारी वीडियो संदेश में कहा कि पिछले दो दिन से सरकार के साथ उनकी लगातार बातचीत चल रही थी। इस दौरान उनकी तीन प्रमुख मांगों पर चर्चा हुई। सरकार की ओर से इन मांगों पर लिखित आश्वासन मिलने के बाद उन्होंने भूख हड़ताल खत्म करने का फैसला लिया। वांगचुक ने कहा, सरकार छात्रों पर केस दर्ज नहीं करेगी।

बिहार के सरकारी स्कूलों में फिर से हाफ-डे शनिवार !

- *7 दिनों में होगा फैसला,सीएम सम्राट चौधरी ने दी जानकारी*

पटना (एजेंसी)। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने मानसून सत्र के दौरान विधान परिषद को बताया कि बिहार सरकार द्वारा एक सप्ताह के भीतर यह निर्णय लिए जाने की उम्मीद है कि क्या सरकारी स्कूलों को शनिवार को आधे दिन के कार्यक्रम में वापस लाया जाना चाहिए। यानी आधे दिन स्कूल और आधे दिन छुट्टी। सत्ताधारी गठबंधन और विपक्ष दोनों के सदस्यों ने यह मुद्दा उठाया और सरकार से शनिवार के पहले वाले समय को बहाल करने और स्कूल के समय को राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप करने का आग्रह किया। इस चर्चा पर प्रतिक्रिया देते हुए सम्राट चौधरी ने कहा कि शनिवार को आधे दिन की कक्षाएं फिर से शुरू करने के प्रस्ताव की जांच की जाएगी और जल्द निर्णय लिया जाएगा।

सम्राट चौधरी ने दिया सदस्यों को भरोसा

सम्राट चौधरी ने कहा कि सरकार राष्ट्रीय शिक्षा नीति के संदर्भ में इस मुद्दे की जांच करेगी और अंतिम निर्णय लेने से पहले शिक्षकों, छात्रों और अन्य हितधारकों से सुझाव मांगेगी। शिक्षा विभाग से अपेक्षा की जाती है कि वह अपनी सिफारिशें प्रस्तुत करने से पहले वर्तमान स्कूल कार्यक्रम, छात्रों की सुविधा और शनिवार की कक्षाओं के सीखने के परिणामों पर पड़ने वाले प्रभाव की समीक्षा करेगा। बिहार के सरकारी स्कूलों में शनिवार को आधे दिन की पढ़ाई बहाल करने के संबंध में कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है।

विधान परिषद में उठा मुद्दा

एमएलसी नवल किशोर यादव, संजीव सिंह और जीवन कुमार ने सरकारी स्कूलों में शनिवार को पूरे दिन की कक्षाएं जारी रखने को लेकर शिक्षा विभाग से सवाल किया। विधायकों ने याद दिलाया कि पूर्व शिक्षा मंत्री ने सदन को आश्वासन दिया था कि शनिवार को आधे दिन की पढ़ाई फिर से शुरू की जाएगी। उन्होंने यह भी तर्क दिया कि मौजूदा समय सारिणी को राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रावधानों के अनुरूप बनाया जाना चाहिए। राष्ट्रीय शिक्षा नीति में सोमवार से शुक्रवार तक लगभग पांच से साढ़े पांच घंटे की कक्षा शिक्षण अवधि निर्धारित की गई है।

- पेपर लीक संशोधन बिल को कैबिनेट की मंजूरी

10 साल जेल और 10 करोड़ रुपए जुर्माने का प्रावधान

नई दिल्ली (एजेंसी)। नीट पेपर लीक मामले को लेकर छात्रों के जारी विरोध-प्रदर्शन के बीच केंद्र सरकार पेपर लीक और नकल के खिलाफ मौजूदा कानूनों को और सख्त करने की योजना बना रही है। प्रधानमंत्री के देर रात जारी वीडियो संदेश में और कार्रवाई का वादा करने के एक दिन बाद सरकार पब्लिक एग्जामिनेशन (अनुचित साधनों की रोकथाम) एक्ट, 2024 में संशोधन करने की योजना बना रही है ताकि इसे और अधिक प्रभावी बनाया जा सके। बताया जा रहा है कि पेपर लीक मामलों में 10 साल तक की जेल और 10 करोड़ रुपये तक का जुर्माने का प्रावधान किया जा सकता है। रिपोर्ट के अनुसार, सूत्रों ने बताया है कि शुक्रवार दोपहर को होने वाली कैबिनेट बैठक में इस मामले को लेकर मंजूरी दे दी गई है।

धर्मेंद्र प्रधान ने एजुकेशन सिस्टम को कर दिया ध्वस्त

- राहुल गांधी बोले-उनकी वजह से हजारों लोग सड़क पर
- कांग्रेस नेता ने कहा-वह क्रिमिनल शिक्षा मंत्री,इस्तीफा दें

नई दिल्ली (एजेंसी)। राहुल गांधी ने शुक्रवार को कहा कि धर्मेंद्र प्रधान एक अपराधी शिक्षा मंत्री हैं। उन्हें हटाया जाना चाहिए। वे हमारे एजुकेशन सिस्टम के ध्वस्त होने का प्रतीक हैं। उन्हें जाना ही होगा। उन्हीं की वजह से हजारों लोग बाहर हैं। राहुल ने पैलेट गन से घायल छात्रों से मुलाकात की। वे एक घायल छात्र को साथ में लेकर मीडिया के सामने आए। उन्होंने छात्र के हाथ में लगे घाव को दिखाया। राहुल ने कहा- मैं यह बताना चाहता हूं कि यहां खड़ा मेरा भाई उस समय पैलेट गन से घायल हो गया था, जब वह तिरंगा लेकर शांतिपूर्ण तरीके से विरोध-प्रदर्शन कर रहा था। सरकार का कहना है कि पैलेट गन का इस्तेमाल नहीं किया गया था। उसकी आंख को नुकसान पहुंचा है और उसकी देखने की क्षमता चली गई है।

सम्पादकीय

आतंकवाद का बदलता चेहरा और भारत की जीरो टॉलरेंस नीति

दिनेश शर्मा

आतंकवाद का स्वरूप समय के साथ लगातार बदलता रहा है। कभी सीमा पार से घुसपैठ, हथियारों की तस्करी और प्रत्यक्ष प्रशिक्षण इसके प्रमुख साधन हुआ करते थे, लेकिन तकनीक के विस्तार ने आतंकवादी संगठनों को नए रास्ते उपलब्ध करा दिए हैं। अब आतंक का नेटवर्क बंदूक और बारूद से कहीं अधिक मोबाइल फोन, सोशल मीडिया, एन्क्रिप्टेड मैसेजिंग एप, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और क्रिप्टोकरेंसी के सहारे संचालित हो रहा है। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की हालिया कार्रवाई और विभिन्न मामलों में दायर आरोपपत्रों ने इस बदलते स्वरूप की स्पष्ट तस्वीर सामने रखी है। जांच से यह संकेत मिला है कि आतंकवादी संगठन अब एक सुनियोजित 'थ्री-एप मॉडल' के माध्यम से युवाओं को अपने जाल में फंसाने का प्रयास कर रहे हैं। पहले सोशल मीडिया के जरिए संपर्क स्थापित किया जाता है, फिर एन्क्रिप्टेड प्लेटफॉर्म पर वैचारिक कट्टरता फैलाकर ब्रेनवॉश किया जाता है और अंत में क्रिप्टोकरेंसी के माध्यम से आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जाती है।

यह नया मॉडल केवल तकनीकी बदलाव नहीं है बल्कि आतंकवाद की रणनीति में आया बड़ा परिवर्तन भी है। पहले आतंकवादी संगठनों को भर्ती और संपर्क के लिए भौतिक नेटवर्क की आवश्यकता होती थी, जबकि अब इंटरनेट ने दुनिया के किसी भी कोने में बैठे व्यक्ति तक उनकी पहुंच आसान बना दी है। सोशल मीडिया पर सामान्य धार्मिक या वैचारिक सामग्री के माध्यम से युवाओं का विश्वास जीतने का प्रयास किया जाता है। धीरे-धीरे उन्हें बंद समूहों में जोड़ा जाता है जहां उग्र और हिंसक विचारधारा से परिचित कराया जाता है। इसके बाद हथियारों, विस्फोटकों और आतंकी गतिविधियों से संबंधित सामग्री साझा कर उन्हें हिंसा के रास्ते पर धकेलने की कोशिश की जाती है।

एनआईए की जांच में सामने आए विभिन्न मॉड्यूल इस नए खतरे की गंभीरता को दर्शाते हैं। तमिलनाडु में ऐसे समूहों का पता चला जिनमें सोशल मीडिया और एन्क्रिप्टेड एप के माध्यम से युवाओं को जोड़ने का प्रयास किया गया। विजयवाड़ा से जुड़े मामले में विदेशी हैंडलरों के संपर्क, भारत में कट्टरपंथ फैलाने और प्रशिक्षण के लिए विदेश भेजने जैसी योजनाओं का खुलासा हुआ। मंगलुरु मॉड्यूल में डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से विस्फोटक बनाने की जानकारी और क्रिप्टोकरेंसी के जरिए आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने की बात सामने आई। इन घटनाओं से स्पष्ट है कि आतंकवादी संगठन अब पारंपरिक नेटवर्क से अधिक डिजिटल माध्यमों पर निर्भर होते जा रहे हैं।

इन मॉड्यूल का सबसे चिंताजनक पक्ष यह है कि इनके निशाने पर 18 से 30 वर्ष आयु वर्ग के पढ़े-लिखे युवा हैं। यह वर्ग इंटरनेट और सोशल मीडिया का सबसे अधिक उपयोग करता है। आतंकवादी संगठन इसी मनोविज्ञान का लाभ उठाने का प्रयास करते हैं। वे पहले धार्मिक, सामाजिक या भावनात्मक विषयों पर चर्चा के बहाने संपर्क स्थापित करते हैं और धीरे-धीरे युवाओं को कट्टर विचारधारा की ओर मोड़ते हैं। कई बार यह पूरी प्रक्रिया इतनी सुनियोजित होती है कि व्यक्ति को स्वयं यह एहसास भी नहीं होता कि वह किस प्रकार एक खतरनाक नेटवर्क का हिस्सा बनता जा रहा है। तकनीक के साथ कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग भी आतंकवाद के लिए नई चुनौती बनकर उभर रहा है। फर्जी वीडियो, परिवर्तित आवाज, नकली पहचान और स्वचालित संदेशों के माध्यम से लोगों को भ्रमित करने की कोशिश की जाती है। एन्क्रिप्टेड संचार के कारण जांच एजेंसियों के लिए इन नेटवर्क तक पहुंचना पहले की तुलना में अधिक कठिन हो जाता है। वहीं क्रिप्टोकरेंसी के माध्यम से होने वाला लेन-देन पारंपरिक बैंकिंग व्यवस्था से अलग होने के कारण इसकी निगरानी भी चुनौतीपूर्ण रहती है। यही कारण है कि आधुनिक आतंकवाद केवल सुरक्षा का नहीं बल्कि साइबर सुरक्षा और तकनीकी क्षमता का भी विषय बन चुका है।

हालांकि इन चुनौतियों के बीच भारत की सुरक्षा और जांच एजेंसियों की सतर्कता लगातार मजबूत हुई है। राष्ट्रीय जांच एजेंसी, विभिन्न राज्यों की आतंकवाद निरोधी इकाइयां, खुफिया एजेंसियां और साइबर विशेषज्ञ समन्वय के साथ कार्य कर रहे हैं।

देशभर में लगातार छापेमारी, संदिग्ध डिजिटल गतिविधियों की निगरानी, अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के साथ सूचनाओं का आदान-प्रदान और समय रहते कार्रवाई के कारण अनेक साजिशों को विफल किया गया है। यह स्पष्ट संकेत है कि आतंकवादी संगठन चाहे जितनी नई तकनीक अपनाएं, भारतीय सुरक्षा तंत्र भी उसी गति से अपनी क्षमता का विस्तार कर रहा है।

भारत ने पिछले कुछ वर्षों में आतंकवाद के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति को पूरी दृढ़ता के साथ लागू किया है। इस नीति का मूल उद्देश्य यह है कि आतंकवाद के प्रति किसी भी स्तर पर नरमी न बरती जाए। चाहे सीमा पार से संचालित नेटवर्क हों, देश के भीतर सक्रिय मॉड्यूल हों या आर्थिक सहायता पहुंचाने वाले तंत्र, सभी के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जा रही है। यही कारण है कि अनेक आतंकी संगठन आज पहले की तुलना में काफी कमजोर पड़े हैं। उनके पारंपरिक नेटवर्क लगातार ध्वस्त हुए हैं और उन्हें नए-नए तरीके अपनाने के लिए मजबूर होना पड़ा है। यह भी सच है कि आतंकवादी संगठन अपनी गतिविधियां जारी रखने के लिए लगातार नए रास्ते खोज रहे हैं। कभी सोशल मीडिया, कभी एन्क्रिप्टेड एप, कभी क्रिप्टोकरेंसी और कभी कृत्रिम बुद्धिमत्ता का सहारा लेकर वे अपनी मौजूदगी बनाए रखने का प्रयास करते हैं।

ईरान पर सबसे बड़े हमले की तैयारी में अमेरिका

- ट्रम्प बोले-फैसला लेना बाकी; ईरान ने कहा-इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ेगी

तेहरान/वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि अमेरिका ईरान पर सबसे बड़ा हमला करने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा, तैयारी पूरी है, अब सिर्फ फैसला लेना बाकी है। ट्रम्प ने यह भी कहा कि ईरान ने अभी तक पर्याप्त दर्द नहीं झेला है। ट्रम्प के बयान के बाद ईरान ने भी तुरंत जवाब दिया। विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि अगर अमेरिका ने हमले जारी रखे तो उसे इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। युद्ध खत्म करने का रास्ता बातचीत है नए हमले नहीं।

धार में चालीसपीर दरगाह पर नहीं पढ़ी जुमे की नमाज

मुस्लिम पक्ष भोजशाला के पास वाली जगह के लिए अड़ा

धार (एजेंसी)। धार में जुमे की नमाज को लेकर स्थिति अब भी स्पष्ट नहीं हो सकी है। गुरुवार देर रात जिला प्रशासन और मुस्लिम समुदाय के प्रतिनिधियों के बीच करीब दो घंटे तक बैठक चली, लेकिन नमाज के वैकल्पिक स्थान को लेकर सहमति नहीं बन पाई।

इसके चलते शुक्रवार को प्रशासन द्वारा निर्धारित मालीवाड़ा में चालीसपीर दरगाह के पास जुमे की नमाज अदा करने के लिए कोई नहीं पहुंचा। सुरक्षा के मद्देनजर प्रशासन और पुलिस की ओर से मौके पर सभी इंतजाम किए गए थे। धार के सदर अब्दुल समद ने कहा- प्रशासन सुप्रीम कोर्ट के आदेश का पालन नहीं कर रहा है। चालीसपीर दरगाह के पास निर्धारित स्थान पर नमाज नहीं पढ़ी जाएगी। इसके बजाय जुमे की नमाज आसपास की मस्जिदों में अदा की जाएगी।

सुप्रीम कोर्ट ने भोजशाला के पास जगह देने के लिए कहा था- इससे पहले बीती 14 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट ने मध्य प्रदेश सरकार को निर्देश दिया था कि हर शुक्रवार दोपहर 1 से 3 बजे के बीच नमाज के लिए वैकल्पिक स्थान मुहैया कराया जाए। इसके बाद जिला प्रशासन ने मालीवाड़ा गांव में चालीसपीर दरगाह के पास नमाज की जगह निर्धारित की थी, लेकिन मुस्लिम समुदाय ने इसे स्वीकार करने से इनकार कर दिया।

सुप्रीम कोर्ट में मुस्लिम पक्ष ने दलील दी थी कि प्रशासन द्वारा उपलब्ध कराया गया स्थान भोजशाला से करीब दो किलोमीटर दूर है और यह कोर्ट के आदेश की भावना के अनुरूप नहीं है। इस पर अदालत ने केंद्र और राज्य सरकार को भोजशाला परिसर के बाहर या उससे सटे क्षेत्र में वैकल्पिक स्थान उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं।

प्रशासन का नया प्रस्ताव भी ठुकराया

सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के बाद जिला प्रशासन ने गुरुवार रात मुस्लिम समुदाय को चर्चा के लिए बुलाया और अन्य संभावित स्थानों का प्रस्ताव रखा।

इन प्रस्तावों को भी अस्वीकार कर दिया गया। मुस्लिम समाज का कहना है कि उन्हें उनके पारंपरिक स्थान पर ही नमाज अदा करने की अनुमति दी जाए। सुप्रीम कोर्ट के आदेश में भी नमाज के लिए भोजशाला के नजदीक स्थान उपलब्ध कराने की बात कही गई है।

संक्षिप्त डायरी

जमीनी विवाद को शांत कराने पहुंचे व्यक्ति पीट-पीटकर हत्या

एजेंसी

अयोध्या। थाना हैदरगंज क्षेत्र के कुआंडाड गांव में दो पक्षों के बीच चल रहे विवाद को शांत कराने पहुंचे 55 वर्षीय व्यक्ति की लाठी-डंडों से पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। हमले में दो लोग गम्भीर रुप से घायल हो गए। मौके पर पहुंचकर पुलिस के अधिकारियों ने जांच की। पुलिस के अनुसार, मंगलवार रात बजे जमीनी विवाद को लेकर राजकुमार और राम अनुज के बीच कहासुनी हो रही थी। इस विवाद को सुलझाने के लिए चौतूराम पहुंचे थे। जिसमें आरोप है कि आठ लोगो ने मिलकर चौतूराम की पिटाई कर दी। जिसमें उनका बेटा व अन्य घायल हो गए। परिजन चौतूराम को इलाज के लिए जिला अस्पताल लेकर जा रहे थे, लेकिन रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। घटना में घायलों का जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है। मौके पर पहुंचकर अधिकारियों ने जांच किया। मामले में मृतक के बेटे बालगोविंद की तहरीर पर आठ नामजद के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज हुई है।

बड़े भाई की चाकू मारकर हत्या

एजेंसी

अयोध्या। रामनगरी अयोध्या के रायगंज चौकी क्षेत्र के खाले के पुरवा गांव में गुरुवार को आपसी विवाद खूनी संघर्ष में बदल गया। छोटे भाई ने बड़े भाई पर चाकू से हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल युवक को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद गांव में सनसनी फैल गई। पुलिस के मुताबिक, 25 साल के आदर्श सिंह की उसके छोटे भाई अभिषेक सिंह से किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई। विवाद इतना बढ़ा कि अभिषेक ने चाकू से हमला कर दिया। चाकू लगने से आदर्श गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजन घायल आदर्श को तत्काल अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन इलाज शुरू होने से पहले ही डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक के परिजनों की तहरीर पर पुलिस ने हत्या का मुकदमा दर्ज कर आरोपी अभिषेक सिंह को हिरासत में ले लिया है। उससे पूछताछ की जा रही है। कोतवाली प्रभारी पंकज सिंह ने बताया कि प्रारंभिक जांच में हत्या की वजह आपसी विवाद सामने आई है। मामले के सभी पहलुओं की गहनता से जांच की जा रही है। घटना के बाद गांव में शोक का माहौल है।

अयोध्या में सैकड़ों संतों की हुई बैठक

एजेंसी

अयोध्या। रामनगरी अयोध्या की मणिराम दास छावनी स्थित धर्म मंडपम में बुधवार को विश्व हिंदू परिषद के नेतृत्व में सैकड़ों संतों की अहम बैठक हुई। बैठक में राम मंदिर में चढ़ावे की अनियमितता, श्रद्धालुओं की आस्था, सोशल मीडिया पर फैल रही अफवाहों और पूजा व्यवस्था को लेकर विस्तार से मंथन किया गया।बैठक के बाद संत समाज ने एकजुट होकर कहा कि कुछ व्यक्तियों की गलती के कारण पूरे राम मंदिर, श्रीराम जन्मभूमि ट्रस्ट और संत समाज को बदनाम करना उचित नहीं है। संतों ने अयोध्या के पांच प्रमुख संतों को रामलला की पूजा-अर्चना और धार्मिक व्यवस्थाओं से जुड़ी 9 सदस्यीय धर्म समिति में शामिल करने के फैसले का स्वागत किया।विश्व हिंदू परिषद के राष्ट्रीय महामंत्री बजरंग लाल बांगड़ा ने कहा कि संत समाज को ट्रस्ट के पदाधिकारियों की ईमानदारी और निष्पक्षता पर पूरा विश्वास है। वहीं महंत राजकुमार दास ने कहा कि आरोपी जेल में हैं और मामले कीैप्ज जांच चल रही है, इसलिए बिना जांच पूरी हुए किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुंचना चाहिए।संत समाज ने ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय को निर्दोष बताते हुए कहा कि उन्होंने अपना पूरा जीवन रामलला की सेवा में समर्पित किया है और पूरा संत समाज उनके साथ खड़ा है। महंत मिथिलेश नंदिनी शरण ने बताया कि नवनिर्मित नौ सदस्यीय धार्मिक समिति रामानंदी परंपरा के अनुसार पूजा-पद्धति और श्रद्धालुओं की सुविधा को सुनिश्चित करेगी।अंत में संत समाज ने सभी रामभक्तों से अफवाहों और दुष्प्रचार से दूर रहकर श्रीराम में आस्था बनाए रखने औरैप्ज की अंतिम रिपोर्ट का इंतजार करने की अपील की।

25वें दिन भी न्यायिक कार्य का बहिष्कार, क्रमिक अनशन जारी

एजेंसी

प्रयागराज। अध्यक्ष राजस्व परिषद उ०प्र० लखनऊ के असंवैधानिक आदेश के विरूद्ध विगत 3 जुलाई से चल रहा आंदोलन आज भी जारी रखा गया। आज भी अधिवक्ताओं द्वारा न्यायिक कार्य से विरत रहते हुए क्रमिक अनशन जारी रखा। क्रमिक अनशन की अध्यक्षता करते हुए अध्यक्ष बार एसोसिएशन बोर्ड ऑफ रेवेन्यू उ०प्र० प्रयागराज डॉ० बाल कृष्ण पाण्डेय ने प्रदेश के 18 मण्डल के कमिश्नरी के बार अध्यक्षों को पत्र लिखकर सहयोग की अपील की है। वहीं महासचिव अनिरूद्ध शर्मा ने कहा है कि जब तक चेयरमैन द्वारा 3 जुलाई एवं 8 जुलाई के आदेश को वापस नही लिया जाता तब तक न्यायिक कार्य से विरत रह कर अपना विरोध दर्ज करेंगे। संयुक्त सचिव प्रेस सुरेन्द्र कुमार ने बताया कि 27 जुलाई सायं काल। बजे आम सभा होगी जिसमें अग्रिम रणनीति तय की जायेगी। बैठक का संचालन संयुक्त सचिव प्रशासन रोहित तिवारी ने किया। आम सभा में निम्न अधिवक्ता उपस्थित रहे शैलेन्द्र कुमार सिंह, रमेश पुण्डीर, कल्लन उर्फ विजय शंकर तिवारी, अरूणेश खरे, राजेश प्रताप सिंह, सुनिल वर्मा, महासचिव अनिरूद्ध शर्मा, रोहित शर्मा, सूर्य कान्त शर्मा, नवीन कुमार पाण्डेय, शरद कुमार पाण्डेय, अम्बुज श्रीवास्तव, बृज भूषण पाण्डेय, कृष्ण मुरारी त्रिपाठी, उदय नारायण सिंह, राजेश कुमार श्रीवास्तव, हरिश्चन्द्र सिंह पूर्व उपाध्यक्ष, मनीष कुमार पाण्डेय, सत्येन्द्र कुमार सिंह पूर्व कार्यवाहक अध्यक्ष, सन्तोश कुमार तिवारी पूर्व संयुक्त सचिव प्रशासन, प्रशान्त उपाध्याय, विकास मणि त्रिपाठी, ऋद्धा शुक्ला, आसमा, महेन्द्र शुक्ला, मोहन धरिया समेत सैकड़ो अधिवक्ता उपस्थित रहे।

छह विद्यालयों में प्रतिभा खोज प्रतियोगिताओं का चौथा चरण आयोजित

एजेंसी

प्रयागराज। भारत रत्न राजऋषि पुरुषोत्तम दास टंडन की जयंती माह के उपलक्ष्य में अखिल भारतीय युवा खत्री समाज (रजि.) दिल्ली द्वारा संचालित जनपद स्तरीय प्रतिभा खोज अभियान के अंतर्गत बुधवार को प्रतियोगिताओं का चतुर्थ चरण प्रयागराज के छह विद्यालयों में उत्साहपूर्वक संपन्न हुआ। इस चरण में गोल्डन नर्सरी स्कूल, दरियाबाद, युगुल किशोर जूनियर हाईस्कूल, डी.पी.एस.सी., नैनी, जीनियस स्कूल, अरेल, एम.पी.एस. हाई सेकेंडरी स्कूल, मुवैय्या तथा स्वामी विवेकानंद स्कूल, हनुमानगंज में चित्रकला, निबंध एवं मेहंदी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह के साथ भाग लेते हुए अपनी रचनात्मक प्रतिभा, कल्पनाशीलता और कलात्मक अभिव्यक्ति का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। मुख्य अतिथियों एवं निर्णायक मंडल ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएँ बच्चों में आत्मविश्वास, सृजनशीलता, अनुशासन और राष्ट्रभक्ति की भावना विकसित करने का सशक्त माध्यम हैं। अखिल भारतीय युवा खत्री समाज (रजि.) दिल्ली के संरक्षक महेश कपूर, राष्ट्रीय अध्यक्ष कृष्ण बहल एवं महासचिव अखिल कक्कड़ के मार्गदर्शन में संचालित इस अभियान के अंतर्गत जनपद के विभिन्न विद्यालयों में प्रतियोगिताओं का क्रम निरंतर जारी है। संगठन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष आनन्द जी टंडन (पप्पन भैया) एवं प्रदेश अध्यक्ष बृजेश सिड़ाना ने बताया कि सभी प्रतिभागियों को सहभागिता प्रथम, दुतीय, तृतीय प्रमाण-पत्र, मैडल प्रदान किए जा रहे हैं तथा उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को 1 अगस्त को आयोजित होने वाले भव्य सम्मान समारोह में पुरस्कृत किया जाएगा।

कांवड़ यात्रा व सावन मेले को लेकर पीस कमेटी की हुई बैठक -सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ करने के निर्देश

एजेंसी

अयोध्या। आगामी कांवड़ यात्रा एवं सावन माह में लगने वाले मेलों को शांतिपूर्ण, सुरक्षित और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से गुरुवार शाम 6 बजे थाना कुमारगंज परिसर में पीस कमेटी की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता उपजिलाधिकारी मिल्कीपुर पवन शर्मा तथा पुलिस क्षेत्राधिकारी मिल्कीपुर पियूष ने की। बैठक में थाना क्षेत्र के संभ्रांत नागरिकों, जनप्रतिनिधियों एवं पुलिस अधिकारियों ने भाग लिया। बैठक के दौरान अधिकारियों ने क्षेत्र में निकलने वाली कांवड़ यात्रा, अयोध्या-रायबरेली राष्ट्रीय राजमार्ग से गुजरने वाले कांवड़ियों तथा सावन मेले की व्यवस्थाओं को लेकर विस्तृत चर्चा की। उपजिलाधिकारी एवं क्षेत्राधिकारी ने मौजूद लोगों से सुझाव प्राप्त करते हुए सभी से आपसी सौहार्द, भाईचारा और सहयोग बनाए रखने की अपील की। अधिकारियों ने स्पष्ट निर्देश दिए कि सावन माह में क्षेत्र की मीट-मछली की दुकानें बंद रहेंगी, ताकि धार्मिक भावनाओं का सम्मान बना रहे और किसी प्रकार की अप्रिय स्थिति उत्पन्न न हो। साथ ही संबंधित विभागों को सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। बैठक में विशेष रूप से महर्षि बामदेव मंदिर की सुरक्षा व्यवस्था पर चर्चा हुई। अधिकारियों ने थानाध्यक्ष कुमारगंज सुरेश पटेल को निर्देशित किया कि मंदिर परिसर में पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती, यातायात व्यवस्था, बैरिकेडिंग तथा श्रद्धालुओं की सुविधा के सभी आवश्यक इंतजाम सुनिश्चित किए जाएं। उल्लेखनीय है कि सावन माह में प्रतिदिन हजारों की संख्या में श्रद्धालु महर्षि बामदेव मंदिर पहुंचकर भगवान शिव का जलाभिषेक करते हैं। थानाध्यक्ष सुरेश पटेल ने बताया कि अयोध्या-रायबरेली हाईवे पर कांवड़ यात्रा की सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए पेट्रोलिंग को दो सेक्टरों में विभाजित किया गया है। प्रत्येक सेक्टर में पुलिस टीम लगातार भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था पर नजर रखेगी। बैठक में निर्देश दिए गए कि जहां कहीं भी ढीले विद्युत तार, स्टे वायर अथवा अन्य खतरनाक विद्युत व्यवस्थाएं हैं, उन्हें तत्काल ठीक कराया जाए, जिससे कांवड़ यात्रियों एवं श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा या दुर्घटना का सामना न करना पड़े। इस अवसर पर नगर पंचायत कुमारगंज अध्यक्ष विकास सिंह श्छोटूश, वरिष्ठ भाजपा नेता चन्द्रबली सिंह, विजय कुमार उपाध्याय, प्रधान राजू कनौजिया, उपेन्द्र प्रताप सिंह, विनोद अग्रहरि, कृषि विश्वविद्यालय चौकी प्रभारी अभिषेक सिंह, चिलबिली चौकी प्रभारी शैलेंद्र त्रिपाठी सहित क्षेत्र के अनेक संभ्रांत नागरिक एवं पुलिसकर्मी उपस्थित रहे।

कचरा नहीं अब पौधा बनेगी पृथ्वी राखी अयोध्या में लॉन्च हुई बीज वाली चांदी की राखी

एजेंसी

अयोध्या। रक्षाबंधन पर भाई-बहन के अटूट प्रेम के साथ अब प्रकृति की रक्षा का संकल्प भी जुड़ेगा। शहर के प्रतिष्ठित आभूषण प्रतिष्ठान पृथ्वी ज्वेल्स ने इस दिशा में एक अनूठी पहल करते हुए देश की पहली इको-फ्रेंडली और प्लांटेबल सिल्वर राखी पृथ्वी राखी लॉन्च की है। गुरूवार को पार्क इन बाय रैडिसन होटल में आयोजित भव्य लॉन्च समारोह में इस अनोखी राखी से पर्दा उठाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। आमतौर पर रक्षाबंधन के बाद करोड़ों प्लास्टिक की राखियां कचरे में चली जाती हैं। श्पृथ्वी राखीश इसी समस्या का समाधान है। यह शुद्ध चांदी से निर्मित है और इसमें विशेष बीज लगाए गए हैं। राखी का त्योहार मनाने के बाद इसे फेंकने की बजाय मिट्टी में दबा देने पर यह एक पौधे के रूप में उग आएगी। इसी सोच के साथ ब्रांड ने आज की देखभाल, कल की सुरक्षा का संदेश दिया है।समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में अयोध्या के नगर निगम महापौर महंत गिरीश पति त्रिपाठी, अयोध्या हनुमानगढ़ी के उत्तराधिकारी महंत संजय दास महाराज व श्रृंगी ऋषि पीठाधीश्वर महंत हेमंत दास महाराज उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथियों में अयोध्या विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष आईएएस अनुराज जैन, प्रसिद्ध उद्योगपति सर्वेश्वर सिंह और ब्रह्माकुमारी आश्रम के वरिष्ठ सदस्य बी.के. मुकेश भाई ने शिरकत की। सभी अतिथियों ने इसे अयोध्या से शुरू हुई एक अनुकरणीय पहल बताया। इस अवसर पर पृथ्वी ज्वेल्स के ओनर मनोज कुमार सोनी एवं माया सोनी, पृथ्वी राखी के फाउंडर प्रतीक सोनी एवं शिवानी सोनी तथा को-फाउंडर प्रज्जवल सोनी मौजूद रहे। कार्यक्रम में पृथ्वी राखी की लॉन्चिंग फिल्म भी दिखाई गई। कार्यक्रम का संचालन प्रफुल्ल साहू ने किया। अंत में आयोजकों द्वारा सभी अतिथियों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

सरयू का जलस्तर बढ़ने से प्रशासन अलर्ट, नाव से प्रभावित गांवों व राहत शिविरों का निरीक्षण

एजेंसी

बाराबंकी। सरयू नदी के जलस्तर में लगातार हो रही बढ़ोतरी को देखते हुए जिला प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड में आ गया है। गुरुवार को अपर जिलाधिकारी निरंकार सिंह, उपजिलाधिकारी बृजेन्द्र उपाध्याय तथा तहसीलदार शशांक नाथ उपाध्याय ने नाव के माध्यम से बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का स्थलीय निरीक्षण किया। अधिकारियों ने प्रभावित गांवों और राहत शिविरों तक पहुंचकर राहत एवं बचाव व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने खजुरी, जलालपुर और गुनौली गांवों का भ्रमण किया। इसके बाद खजुरी स्थित बाढ़ राहत शिविर पहुंचकर पेयजल, दवा, शौचालय, बिजली, आवास सहित अन्य आवश्यक सुविधाओं की स्थिति का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने स्पष्ट निर्देश दिए कि राहत शिविरों में किसी भी प्रकार की कमी नहीं रहनी चाहिए और प्रभावित परिवारों को समय पर सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। प्रशासन के अनुसार सरयू नदी के जलस्तर में चार सेंटीमीटर से अधिक की वृद्धि दर्ज की गई है। हालांकि फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है, लेकिन संभावित खतरे को देखते हुए संवेदनशील गांवों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है। प्रशासन ने नावों को हर समय तैयार रखने, राहत सामग्री का पर्याप्त भंडारण सुनिश्चित करने तथा आपदा प्रबंधन से जुड़े सभी विभागों को 24 घंटे सतर्क रहने के निर्देश दिए हैं। उपजिलाधिकारी बृजेन्द्र उपाध्याय ने बताया कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों की लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है और किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए प्रशासन पूरी तरह तैयार है। वहीं तहसीलदार शशांक नाथ उपाध्याय ने कहा कि राजस्व, सिंचाई, स्वास्थ्य, पशुपालन, पुलिस समेत अन्य विभागों की टीमें लगातार क्षेत्र में सक्रिय हैं। उन्होंने ग्रामीणों से अफवाहों पर ध्यान न देने और प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करने की अपील की। इस दौरान अपर जिलाधिकारी निरंकार सिंह ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि यदि जलस्तर में और वृद्धि होती है तो प्रभावित परिवारों को तत्काल सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जाए। उन्होंने कहा कि राहत एवं बचाव कार्यों में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी तथा सभी व्यवस्थाएं हर समय दुरुस्त रखी जाएंगी।

बाराबंकी के छाया चौराहा की बदलेगी सूरत, नए सिरे से होगा निर्माण

एजेंसी

बाराबंकी। बदलते समय के साथ-साथ शहर की जरूरतें भी बदल रहीं हैं। ऐसे में नगर पालिका परिषद नवाबगंज की चेयरमैन शीला सिंह वर्मा शहर के प्रमुख चौक ह्यछाया चौराहाह्न को नया रूप देने जा रही है। स्मार्ट सिटी योजना के तहत छाया चौराहा का सुंदरीकरण किया जाएगा। फिलहाल इसके सुंदरीकरण का प्रारूप तैयार कर लिया गया है। बता दें कि शहर के छाया चौराहे पर 26 लाख रुपये की लागत से सौंदर्यीकरण का कार्य गुरुवार से शुरू हो गया है। करीब डेढ़ साल पहले बोर्ड बैठक में दिए गए प्रस्ताव पर मुहर लगने के बाद यह काम शुरू हुआ है। इस परियोजना में चौराहे पर लगी महापुरुषों की मूर्तियों को ऊंचाई पर स्थापित करना। हाईमास्ट लाइट लगाना और घंटाघर की तर्ज पर घड़ी स्थापित करना शामिल है। इसका उद्देश्य शहर के इस व्यस्ततम चौराहे को आधुनिक और आकर्षक स्वरूप देना है। यूं कहें यहां मिनी घंटाघर बनाने तैयारी है। नगर पालिका परिषद नवाबगंज के नेहरू नगर के स्थानीय वार्ड के सभासद मोहम्मद फैसल ने गुरुवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 11 मार्च 2025 की बोर्ड बैठक में वार्ड के विकास कार्यों को लेकर छह बिंदुओं का प्रस्ताव दिया गया था। जिसमें छाया चौराहे का सौंदर्यीकरण भी शामिल था। प्रशासन ने इस पर विचार करते हुए 26 लाख रुपये की धनराशि स्वीकृत की है। जिससे काम शुरू किया गया। उन्होंने बताया कि अपने वार्ड में प्रस्तावित अन्य कार्यों का भी उल्लेख किया। इनमें कंपनीबाग कॉलोनी की जर्जर नालियों और जिला सूचना कार्यालय के सामने पुराने नाले का पुनर्निर्माण, कंपनीबाग स्थित दोनों पार्कों का सौंदर्यीकरण, केडी सिंह बाबू मार्ग सिविल लाइन स्थित बेलहरा हाउस की गली में इंटरलॉकिंग मार्ग का निर्माण तथा वार्ड की विभिन्न गलियों में टूटी नालियों और क्रॉस का निर्माण शामिल था। उन्होंने बताया कि इनमें से अधिकांश कार्य शत-प्रतिशत पूरा कर लिए गए हैं। जो जनता को समर्पित किए जा चुके हैं। पालिका के एई जियालाल ने बताया कि 26 लाख रुपए की लागत से काम का प्रस्ताव है। इसका काम शुरू किया गया है।

संजय सेतु पर आपस में टकराए भारी वाहन, यातायात अस्त-व्यस्त चार किलोमीटर लंबा जाम, बड़ी मशक्कत के बाद बहाल कराया यातायात

एजेंसी

बाराबंकी। लखनऊ-बहराइच राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित संजय सेतु पर देर रात दो भारी वाहनों की आमने-सामने हुई भीषण टक्कर से अफरा-तफरी मच गई। हादसे में दोनों वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए, जबकि एक चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। दुर्घटना के बाद राष्ट्रीय राजमार्ग के दोनों ओर करीब चार किलोमीटर लंबा जाम लग गया। सूचना मिलने पर रामनगर और जरवल पुलिस मौके पर पहुंची और कई घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद क्रेन की सहायता से क्षतिग्रस्त वाहनों को हटाकर सुबह करीब चार बजे यातायात सुचारु कराया। जानकारी के मुताबिक ट्रक संख्या यूपी-75 एटी-7061 सीमेंट लादकर बाराबंकी से बहराइच की ओर जा रहा था। इसी दौरान बहराइच की ओर से भूसा लादकर आ रही डीसीएम यूपी-43 टी-3828 संजय सेतु के पास सामने से आ गई। किसी कारणवश दोनों वाहनों में जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों वाहन सड़क पर ही क्षतिग्रस्त अवस्था में फंस गए, जिससे पुल पर आवागमन पूरी तरह बाधित हो गया। हादसे के बाद दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। रात में ही राहगीरों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। लगभग रात 11 बजे रामनगर थाना प्रभारी अरुण प्रताप सिंह पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। उनके साथ कांस्टेबल सुजीत कुमार सिंह सहित पुलिसकर्मियों ने स्थिति संभाली। घायल चालक को तत्काल उपचार के लिए अस्पताल भिजवाया गया। संजय सेतु पर भारी वाहनों के फंस जाने के कारण यातायात बहाल करना चुनौतीपूर्ण रहा। इसके बाद रामनगर और जरवल पुलिस ने संयुक्त रूप से क्रेन मंगाकर क्षतिग्रस्त वाहनों को सड़क से हटवाया। करीब चार घंटे तक लगातार चले राहत कार्य के बाद सुबह लगभग चार बजे जाम पूरी तरह समाप्त कराया जा सका। इस दौरान यात्रियों और वाहन चालकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। पुलिस ने वाहन चालकों से राष्ट्रीय राजमार्ग पर विशेष सावधानी बरतने तथा तेज गति से वाहन न चलाने की अपील की है। हादसे के कारणों की जांच की जा रही है।

छात्रों पर अत्याचार के विरोध में सपा महिला सभा ने किया प्रदर्शन -प्रधानमंत्री को प्रतीकात्मक रूप से भेंट की चूड़ियां

एजेंसी

अयोध्या। समाजवादी पार्टी महिला सभा की जिलाध्यक्ष सरोज यादव के नेतृत्व में कार्यकताओं एवं महिलाओं ने छात्रों पर कथित अत्याचार, नीट परीक्षा में सामने आई कथित अनियमितताओं तथा विपक्षी नेताओं और कार्यकताओं पर हो रही कथित दमनात्मक कार्रवाई के विरोध में प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा कि देश का युवा अपने भविष्य को लेकर असमंजस और चिंता में है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रतियोगी परीक्षाओं में लगातार सामने आ रही कथित अनियमितताओं ने लाखों छात्रों की मेहनत और विश्वास को आघात पहुंचाया है। पेपर लीक से आहत होकर कितने बच्चों सुसाइड कर लिया था और जब छात्र अपने अधिकारों और निष्पक्ष परीक्षा व्यवस्था की मांग करते हैं, तब उनकी आवाज को दबाने का प्रयास किया जाता है। देश के प्रधानमंत्री 140 करोड़ जनता को अपनी मन की बात कहते हैं परंतु जंतर मंतर पर एकत्रित लाखों लाख बच्चों की मन की बात को क्यों नहीं सुन रहे है बच्चे एक महीने से बैठे हैं लेकिन देश के प्रधानमंत्री उनको सुना भी जरूरी नही समझते हैं यह तानाशाही नहीं तो क्या? जिन बच्चों पर हम गर्व महसूस करते हैं जिस पर हमारा देश गर्व करता है उन पर आज लाठियां बरसाई जा रही है यह कहां का न्याय है? उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि लोकतंत्र में विपक्ष की भूमिका को कमजोर करने के लिए जांच एजेंसियों और प्रशासनिक तंत्र का दुरुपयोग किया जा रहा है। असहमति की आवाज उठाने वाले नेताओं और कार्यकताओं पर कार्रवाई लोकतांत्रिक मूल्यों के अनुरूप नहीं है। सरोज यादव ने कहा हम बहनें इन सबसे आहत होकर,दुखी होकर आज हम लोग प्रधानमंत्री जी से कहना चाहते हैं की शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा ले और अगर उनका इस्तीफा नहीं ले सकते तो स्वयं इस्तीफा दे दे और हम बहने चूड़ियां भेट कर रहे पहन ले। हम लोग ये किसी व्यक्ति विशेष का नहीं, बल्कि केंद्र सरकार की नीतियों के प्रति हमारा प्रतीकात्मक लोकतांत्रिक विरोध है। यदि सरकार छात्रों, युवाओं, किसानों, महिलाओं और आम जनता की समस्याओं के प्रति संवेदनशील होती, तो आज देश का युवा अपने भविष्य को लेकर सड़कों पर संघर्ष करने को मजबूर नहीं होता।उन्होंने यही मांग की कि प्रतियोगी परीक्षाओं की निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए ठोस एवं पारदर्शी व्यवस्था लागू की जाए, छात्रों के साथ न्याय किया जाए, लोकतांत्रिक अधिकारों का सम्मान किया जाए तथा विपक्ष की आवाज को दबाने के बजाय जनता के मुद्दों पर गंभीरता से कार्य किया जाए। सरोज यादव ने कहा कि यदि छात्रों, युवाओं और आम जनता से जुड़े मुद्दों का समाधान नहीं किया गया, तो समाजवादी पार्टी महिला सभा लोकतांत्रिक एवं संवैधानिक दायरे में रहकर अपना संघर्ष और तेज करेगी। हमारे साथ महिला सभा महासचिव डॉक्टर निशांत अख्तर बीकापुर विधानसभा अध्यक्ष रीता निषाद, उपाध्यक्ष राजकुमारी कोरी, उपाध्यक्ष यशोमती कोरी, कोषाध्यक्ष पूनम यादव, पूजा वर्मा, नीलू, कविता, नीलम, अमित यादव, सहित अन्य महिलाएं उपस्थित रहीं।

सोशल मीडिया से अधिक आत्मिक रचनात्मकता विकसित करें विद्यार्थी : प्रो. वीरेंद्र पाल

एआई ने रेडियो प्रसारण को दी नई गति : प्रो. बिंदु शर्मा

सशक्त राष्ट्र निर्माण के लिए जिम्मेदारी से करें एआई का उपयोग : संजीव दोसांझ।

रेडियो प्रसारण ने भारत के जन-जन को आगे बढ़ाया : जैनेन्द्र सिंह।

ब्रॉडकास्टिंग सिस्टम का उचित मानकों के साथ उपयोग करें विद्यार्थी : डॉ. धर्मेंद्र दुबे।

मीडिया संस्थान में एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन।

कुरुक्षेत्र: कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. सोमनाथ सचदेवा के कुशल मार्गदर्शन में जनसंचार एवं मीडिया प्रौद्योगिकी संस्थान (आईएमसीएमटी) के मिनी सभागार में ''नेशनल ब्रॉडकास्टिंग डे'' के अवसर पर ब्रॉडकास्टिंग इन एआई एरा विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मीडिया विशेषज्ञों ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के दौर में प्रसारण माध्यमों की बदलती भूमिका, जिम्मेदार पत्रकारिता तथा रचनात्मक संचार के महत्व पर अपने विचार साझा किए।

मुख्य अतिथि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. वीरेंद्र पाल ने विद्यार्थियों को नेशनल ब्रॉडकास्टिंग डे की शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि सच्ची रचनात्मकता केवल सोशल मीडिया पर अधिक समय बिताने से नहीं, बल्कि आत्मिक चिंतन, अध्ययन और समाज से जुड़ाव से विकसित होती है। उन्होंने विद्यार्थियों से आग्रह किया कि वे अपनी जड़ों, संस्कृति और समाज से जुड़े रहें तथा व्यक्तित्व विकास और राष्ट्र निर्माण के लिए रेडियो एवं अन्य प्रसारण माध्यमों के गुणवत्तापूर्ण कार्यक्रमों को सुनने और समझने की आदत विकसित करें।

संस्थान की निदेशिका प्रो. बिंदु शर्मा ने अतिथियों, शिक्षकों, अधिकारियों एवं विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए कहा कि संगोष्ठी का उद्देश्य उद्योग और अकादमिक जगत के बीच समन्वय स्थापित करना है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को रेडियो प्रसारण के इतिहास, उसकी विकास यात्रा और वर्तमान तकनीकी बदलावों को समझना

चाहिए, ताकि वे एआई आधारित प्रसारण की संभावनाओं का बेहतर उपयोग कर सकें। उन्होंने कहा कि भारत में रेडियो प्रसारण ने स्वतंत्रता संग्राम से लेकर हरित क्रांति, तकनीकी विकास और सामाजिक जागरूकता तक देश को दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आज एआई ने रेडियो प्रसारण को नई गति प्रदान की है और भारतीय ब्रॉडकास्टिंग संस्थान आधुनिक तकनीकों के साथ स्वयं को निरंतर सशक्त बना रहे हैं।

भारत की ब्रॉडकास्टिंग सेवा के 100 वर्ष की ओर ऑल इंडिया रेडियो, नई दिल्ली के वरिष्ठ अधिकारी जैनेन्द्र सिंह ने कहा कि भारत की ब्रॉडकास्टिंग सेवा अगले वर्ष अपने 100 वर्ष पूरे करने जा रही है। रेडियो ने सूचना, शिक्षा और मनोरंजन के माध्यम से देश के जन-जन तक विश्वसनीय जानकारी पहुँचाने का कार्य किया है। उन्होंने कहा कि एआई के आगमन से रेडियो की मूल पहचान प्रभावित नहीं हुई है, बल्कि नई तकनीकों के समावेश से इसकी कार्यक्षमता और प्रभावशीलता बढ़ी है। टू-वे कम्युनिकेशन की क्षमता के कारण रेडियो आज भी लोगों को जोड़ने का सशक्त माध्यम बना हुआ है।

सही प्रॉम्प्ट और जिम्मेदार उपयोग है सबसे महत्वपूर्ण

पूर्व स्टेशन निदेशक, ऑल इंडिया रेडियो, चंडीगढ़ संजीव दोसांझ'' ने कहा कि एआई का उपयोग ईमानदारी, उत्तरदायित्व और राष्ट्रहित की भावना से किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि भ्रामक सूचनाएँ प्रायः गलत उद्देश्य और गलत प्रॉम्प्ट के कारण उत्पन्न होती हैं। इसलिए विद्यार्थियों को प्रभावी प्रॉम्प्ट लिखना सीखना चाहिए तथा केवल प्रमाणिक और उपयोगी सूचनाओं का ही प्रयोग करना चाहिए। उन्होंने कहा कि एआई तभी समाज के लिए उपयोगी सिद्ध होगा जब उसका प्रयोग जिम्मेदारी के साथ किया जाए।

ब्रॉडकास्टिंग का उद्देश्य समाज को जोड़ना

सेंट्रल यूनिवर्सिटी, त्रिपुरा के वरिष्ठ मीडिया विशेषज्ञ डॉ. धर्मेंद्र दुबे'' ने कहा कि कुरुक्षेत्र की पावन भूमि से ही श्रीमद्भगवद्गीता के उपदेश के रूप में प्रथम ब्रॉडकास्टिंग का संदेश विश्व तक पहुँचा, जो आज एआई युग तक विकसित हो चुका है। उन्होंने कहा कि युवाओं को ऐसी ब्रॉडकास्टिंग को बढ़ावा देना चाहिए जो समाज और राष्ट्र के निर्माण में सहायक हो। उन्होंने तकनीक के बढ़ते प्रभाव के बीच संस्कृति, मानवीय संवेदनाओं और सामाजिक मूल्यों से जुड़े रहने की आवश्यकता पर बल दिया।

कार्यक्रम का संचालन संस्थान के सहायक प्रोफेसर डॉ. आबिद अली'' ने किया। उन्होंने कहा कि संगोष्ठी का उद्देश्य विद्यार्थियों को यह समझाना है कि तीव्र प्रतिस्पर्धा और एआई के दौर में भी ब्रॉडकास्टिंग संस्थानों की सबसे बड़ी जिम्मेदारी सटीक, प्रमाणिक और जनहितकारी सूचनाओं को समाज तक पहुँचाना है। सही सूचना ही सशक्त समाज और विकसित भारत की आधारशिला है। इस अवसर पर संस्थान के समस्त शिक्षकगण, तकनीकी स्टाफ, शोधार्थी तथा जनसंचार, मल्टीमीडिया, ग्राफिक्स एंड एनिमेशन तथा प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग विभागों के विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों के प्रश्नों का विस्तार से उत्तर दिया।

आईएमसीएमटी में मनाया जाएगा नो मोबाइल डे, विद्यार्थियों को दी जाएँगी फील्ड रिपोर्टिंग डायरी।

जनसंचार एवं मीडिया प्रौद्योगिकी संस्थान की निदेशिका ''प्रो. बिंदु शर्मा'' ने घोषणा की कि नए शैक्षणिक सत्र से संस्थान में प्रत्येक सप्ताह एक दिन नो मोबाइल डे के रूप में मनाया जाएगा। इस दिन विद्यार्थी मोबाइल फोन के बजाय प्रत्यक्ष अवलोकन, संवाद और लेखन पर ध्यान देंगे। साथ ही फील्ड रिपोर्टिंग के लिए विद्यार्थियों को विशेष डायरी उपलब्ध कराई जाएगी, ताकि उनमें अवलोकन क्षमता, नोट्स बनाने की आदत तथा रचनात्मक लेखन कौशल का विकास हो सके।

स्वच्छता व्यवस्था में लापरवाही बर्दाश्त नहीं, टेंडर शर्तों का पालन नहीं करने वाली एजेंसियां होंगी ब्लैकलिस्ट: राजरानी मल्होत्रा

घर-घर कचरा संग्रहण व्यवस्था को और प्रभावी बनाने के लिए वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक

फरीदाबाद की आवाज

गुरुग्राम। शहर की स्वच्छता व्यवस्था को और अधिक प्रभावी, पारदर्शी एवं जवाबदेह बनाने के उद्देश्य से गुरुग्राम की मेयर राजरानी

मल्होत्रा ने गुरुवार को अपने कार्यालय में नगर निगम के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में घर-घर कचरा संग्रहण व्यवस्था, एजेंसियों द्वारा टेंडर शर्तों के पालन तथा सफाई व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाने को लेकर विस्तृत चर्चा की गई।

बैठक के दौरान मेयर ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि शहर की स्वच्छता व्यवस्था में किसी भी प्रकार की ढिलाई स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण व्यवस्था शहर की स्वच्छता की रीढ़ है और इसे प्रभावी बनाने के लिए संबंधित एजेंसियों को टेंडर के अनुसार निर्धारित संख्या में वाहन एवं अन्य संसाधन उपलब्ध कराने होंगे। मेयर ने कहा कि यदि कोई एजेंसी अनुबंध की शर्तों का पालन नहीं करती है और निर्धारित संख्या में वाहन उपलब्ध कराने में लापरवाही बरतती है तो उसके विरुद्ध नियमानुसार पेनल्टी लगाने के साथ-साथ ब्लैकलिस्ट करने की कार्रवाई भी तत्काल शुरू की जाएगी।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक वार्ड में संचालित डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण वाहनों का पूरा विवरण, जिसमें वाहन संख्या, संबंधित एजेंसी का नाम तथा एजेंसी प्रतिनिधि का संपर्क नंबर शामिल हो, संबंधित वार्ड पार्षदों को उपलब्ध कराया जाए, ताकि स्थानीय स्तर पर भी नियमित निगरानी सुनिश्चित की जा सके। मेयर ने कहा कि नगर निगम की प्राथमिकता प्रत्येक घर से समयबद्ध एवं नियमित रूप से कचरे का संग्रहण सुनिश्चित करना है। इसके लिए एजेंसियों की जवाबदेही तय करना आवश्यक है। उन्होंने स्पष्ट संदेश देते हुए कहा कि या तो एजेंसियां टेंडर के अनुरूप सभी वाहन उपलब्ध कराएं, अन्यथा ब्लैकलिस्ट होने के लिए तैयार रहें। बैठक में नगर निगम आयुक्त प्रदीप दहिया ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी एजेंसियों की नियमित मॉनिटरिंग जारी रखी जाए और जहां भी अनुबंध की शर्तों का उल्लंघन पाया जाए, वहां तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। बैठक में नगर निगम आयुक्त प्रदीप दहिया, अतिरिक्त निगमायुक्त अंकिता चौधरी, यश जालुका, रविन्द्र यादव, कुशल कटारिया, पूजा चांवरिया एवं डॉ. जयवीर यादव, संयुक्त आयुक्त डॉ. नरेश कुमार, डॉ. प्रीतपाल सिंह एवं सपना यादव तथा कार्यकारी अभियंता सुंदर श्योराण

हिंदी भाषा भारत- श्रीलंका के सांस्कृतिक एवं शैक्षणिक संबंधों का सशक्त सेतु : सुभाषिनी रत्नायका

कुरुक्षेत्र : कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. सोमनाथ सचदेवा के मार्गदर्शन में हिंदी विभाग द्वारा श्रीलंका में हिंदी का विकास और चुनौतियाँ' विषय पर अंतरराष्ट्रीय व्याख्यान का आयोजन हिंदी विभाग स्थित गणपति चन्द्र गुप्त हॉल में किया गया।

कार्यक्रम की मुख्य वक्ता श्रीलंका की प्रतिष्ठित शिक्षाविद् सुभाषिनी रत्नायका थीं, जो केलानिया विश्वविद्यालय, श्रीलंका में स्टूडेंट काउंसलर एवं विज्ञान संकाय से संबद्ध हैं ने कहा कि हिंदी केवल एक भाषा नहीं, बल्कि भारत और श्रीलंका के बीच सांस्कृतिक, शैक्षणिक एवं भावनात्मक संबंधों को सुदृढ़ करने वाला एक सशक्त सेतु है। उन्होंने कहा कि श्रीलंका और भारत के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक तथा धार्मिक संबंध अत्यंत प्राचीन हैं और श्रीलंका की सांस्कृतिक जड़ें भारत से गहराई से जुड़ी हुई हैं। इसी कारण हिंदी के प्रति श्रीलंका के विद्यार्थियों और युवाओं में निरंतर रुचि बढ़ रही है।

उन्होंने बताया कि श्रीलंका के 17 विश्वविद्यालयों में से 12 विश्वविद्यालयों में हिंदी का अध्ययन-अध्यापन किया जा रहा है, जबकि श्रीलंकार देश के लगभग 150 विद्यालयों में भी हिंदी पढ़ाई जाती है। उन्होंने कहा कि आज के वैश्विक परिदृश्य में हिंदी सीखने वाले विद्यार्थियों के लिए रोजगार के अनेक अवसर उपलब्ध हैं। विशेष रूप से पर्यटन, अनुवाद, दुभाषिया सेवाओं, शिक्षण, मीडिया, सांस्कृतिक आदान-प्रदान तथा भारत-श्रीलंका व्यापारिक संबंधों में हिंदी जानने वाले युवाओं की मांग लगातार बढ़ रही है। भारत आने वाले श्रीलंकाई विद्यार्थियों तथा श्रीलंका आने वाले भारतीय पर्यटकों की बढ़ती संख्या के कारण भी हिंदी का महत्व निरंतर बढ़ रहा है। सुभाषिनी रत्नायका ने कहा कि हिंदी का भविष्य अत्यंत उज्ज्वल है, किन्तु इसके व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए आधुनिक तकनीक, डिजिटल शिक्षण सामग्री, प्रशिक्षित शिक्षकों तथा भारत और श्रीलंका के शैक्षणिक संस्थानों के बीच निरंतर सहयोग की आवश्यकता है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि दोनों देशों के संयुक्त प्रयासों से हिंदी शिक्षा का दायरा और अधिक विस्तृत होगा तथा यह भाषा भारत-श्रीलंका मैत्री को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती रहेगी। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. वीरेंद्र पाल ने बतौर मुख्यातिथि कहा कि हिंदी भाषा में विकास की अपार संभावनाएं हैं। हिंदी आज विश्व समुदाय को जोड़ने वाली प्रमुख भाषाओं में तेजी से अपनी पहचान बना रही है। श्रीलंका जैसे देशों के विद्वानों की सहभागिता से आयोजित ऐसे अंतरराष्ट्रीय व्याख्यान विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों को वैश्विक परिप्रेक्ष्य में हिंदी भाषा, साहित्य और संस्कृति को समझने का अवसर प्रदान करते हैं। उन्होंने हिंदी के शुद्ध उच्चारण पर बल देते हुए सभी से अपनी दिनचर्या एवं अध्ययन में मानक भाषा का प्रयोग करने का आह्वान किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता हिंदी विभागाध्यक्ष प्रो. महासिंह पूनिया ने की। अपने अध्यक्षीय संबोधन में प्रो. पूनिया ने कहा कि आज हिंदी विश्व के बाजार के व्यवहार की भाषा बन चुकी है। आज हिंदी भाषा सागरों और सरहदों को पार करके विदेशों में भी अध्ययन-अध्यापन का केंद्र बनी हुई है, जो समस्त हिंदी-प्रेषियों एवं शोधार्थियों के लिए गर्व और गौरव का विषय है। हिंदी आज विश्व स्तर पर अपनी सशक्त पहचान स्थापित कर रही है और ऐसे अंतरराष्ट्रीय व्याख्यान विद्यार्थियों को वैश्विक संदर्भ में हिंदी की स्थिति एवं संभावनाओं को समझने का अवसर प्रदान करते हैं। प्रो. महासिंह पूनिया ने कहा कि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय का हिंदी विभाग राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हिंदी भाषा और साहित्य के विकास के लिए निरंतर प्रयासरत है। विभाग द्वारा आयोजित ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों और शोधार्थियों के ज्ञानवर्धन के साथ-साथ उन्हें अंतरराष्ट्रीय शैक्षणिक विमर्श से जोड़ने का कार्य करते हैं। उन्होंने कहा कि हिंदी की वैश्विक स्वीकार्यता लगातार बढ़ रही है और विश्व के अनेक देशों में हिंदी अध्ययन एवं शोध के नए अवसर विकसित हो रहे हैं। विशिष्ट अतिथि बैंक ऑफ बड़ौदा की वरिष्ठ प्रबंधक डॉ. सरिता ने बैंकिंग एवं कॉर्पोरेट क्षेत्र में हिंदी में उपलब्ध अपार रोजगार की संभावनाओं को रेखांकित किया। विशेष अतिथि डॉ. राजेश वधवा ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि यदि वे लगन के साथ हिंदी का अध्ययन करते हैं, तो प्राध्यापक के अतिरिक्त मीडिया, जनसंचार और डिजिटल क्षेत्र में भी अनंत अवसर मौजूद हैं।

सांसद नवीन जिन्दल की पहल पर 'माइ भारत क्विज' का हुआ शुभारंभ

कुरुक्षेत्र : भारतीय सेना के शौर्य और बलिदान के प्रतीक 'कारगिल विजय दिवस' के उपलक्ष्य में, सांसद नवीन जिन्दल के मार्गदर्शन में फ्लैग फाउंडेशन ऑफ इंडिया और शिक्षा विभाग कुरुक्षेत्र के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 'माइ भारत क्विज' की प्रारंभिक परीक्षा के शुभारंभ हुआ, साथ ही नोडल शिक्षकों के प्रशिक्षण कार्यक्रम का पंचायत भवन सभागार में सफलतापूर्वक आयोजन किया गया।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में 100 विद्यालयों से आए नोडल शिक्षकों को क्विज के सफल संचालन के लिए विस्तृत प्रशिक्षण प्रदान किया गया तथा क्विज का अधिकारिक पोस्टर भी जारी किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ फ्लैग फाउंडेशन ऑफ इंडिया के जनरल सेक्रेटरी, मेजर जनरल असीम कोहली (सेवानिवृत्त), सांसद नवीन जिन्दल के संसदीय कार्यालय प्रभारी धर्मवीर सिंह (पूर्व आईएएस) तथा शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने संयुक्त रूप से किया। इस प्रशिक्षण कार्यशाला के दौरान शिक्षकों को क्विज के उद्देश्य, संचालन प्रक्रिया, दिशा-निर्देश, मूल्यांकन प्रणाली एवं आयोजन संबंधी सभी महत्वपूर्ण पहलुओं की विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। साथ ही क्विज के सिलेबस और अध्ययन सामग्री से भी अवगत कराया गया, ताकि विद्यार्थियों की बेहतर तैयारी सुनिश्चित की जा सके।

इस अवसर पर मेजर जनरल असीम कोहली (सेवानिवृत्त) ने कहा कि शिक्षक राष्ट्र निर्माण की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी हैं। उन्होंने शिक्षकों का आह्वान किया कि वे विद्यार्थियों में राष्ट्रभक्ति, अनुशासन, जागरूकता और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित करें, जिससे नई पीढ़ी देश के गौरवशाली इतिहास और राष्ट्रीय मूल्यों से प्रेरित हो सके। सांसद नवीन जिन्दल के संसदीय कार्यालय प्रभारी धर्मवीर सिंह ने कहा कि सांसद नवीन जिन्दल का उद्देश्य विद्यार्थियों को केवल पाठ्य ज्ञान तक सीमित न रखकर उन्हें भारत के गौरवशाली इतिहास, राष्ट्रीय ध्वज की गरिमा और देशभक्ति के मूल्यों से जोड़ना है। उन्होंने कहा कि 'माइ भारत क्विज' विद्यार्थियों में राष्ट्रप्रेम, नेतृत्व क्षमता और सकारात्मक प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित करने का प्रभावी माध्यम बनेगा। यह अभियान पूरे कुरुक्षेत्र संसदीय क्षेत्र में संचालित किया जाएगा।

उप जिला शिक्षा अधिकारी सतपाल बग्गा ने सभी शिक्षकों से विद्यार्थियों में देशभक्ति की भावना को सुदृढ़ करने का आह्वान किया। समग्र शिक्षा अभियान के समग्र शिक्षा के जिला समन्वयक कृष्ण कुमार ने कहा कि यह क्विज विद्यार्थियों के सामान्य ज्ञान को समृद्ध करने के साथ- साथ उन्हें भारत की सांस्कृतिक विरासत, स्वतंत्रता संग्राम और राष्ट्रीय ध्वज की गौरवशाली यात्रा से भी परिचित कराएगा। सांसद नवीन जिन्दल के कैथल कार्यालय प्रभारी रविन्द्र धीमान ने बताया कि इस पहल का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को भारत के गौरवशाली इतिहास, स्वतंत्रता संग्राम के महानायकों तथा तिरंगे के सम्मान और उसके विकास की यात्रा से जोड़ना है। उल्लेखनीय है कि 25 जुलाई को कुरुक्षेत्र जिले के थानेसर ब्लाक के 100 विद्यालयों में 'माइ भारत क्विज' की प्रारंभिक परीक्षा आयोजित की जाएगी, जिसमें लगभग 3,000 विद्यार्थी भाग लेंगे। इस प्रतियोगिता के माध्यम से विद्यार्थियों में राष्ट्रीय चेतना, देशभक्ति और भारतीय संस्कृति के प्रति गर्व की भावना को और अधिक सशक्त बनाने का प्रयास किया जाएगा।

इस अवसर पर शिक्षा विभाग कुरुक्षेत्र से विजेन्द्र शर्मा एवं अमित कुमार, शिक्षा विभाग कैथल से कुशल कुमार और प्रवीण थरेजा, मंच संचालक विनोद आर्य, थानेसर हल्का प्रभारी बलविंद्र सिंह, भूषण मंगला, अनुराग तिवारी, लोक कष्ट निवारण समिति के सदस्य विनोद गर्ग तथा डॉ. राज कुमार सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। शुभांक-2-5-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। दिमाग में निर्मूल तर्क-कुतर्क पैदा होंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी व अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। शुभांक-5-6-7

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। शुभांक-5-6-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। बुद्धि और धन का दुरूपयोग न करें व्यर्थ के आडम्बरों से बचें। अपनी परिसंपत्ति को संभालकर रखें। परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता हैं। मानसिक तनाव में बढ़ोतरी होगी। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। शुभांक-1-6-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। शुभांक-2-5-6

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में कोई मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। शुभांक-3-8-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। रुपए पैसों की सुविधा मिल जाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। शुभांक-2-3-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी। धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। शुभांक-2-6-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग बना है। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। शुभांक-4-8-9

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। कार्यक्षेत्र में तनाव पैदा होगा। खान-पान में सावधानी रखें। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। शुभांक-5-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-6-8-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-3-6-8

क्राइम डायरी

गर्भवती पत्नी की हत्या करने वाला आरोपी पति गिरफ्तार

फरीदाबाद की आवाज

फरीदाबाद। पत्नी के चरित्र पर शक के चलते चुन्नी से गला घोंटकर उसकी हत्या करने वाले आरोपी पति को अपराध शाखा एनआईटी पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी शुक्रवार अदालत में पेश किया, जहां से उसे छह दिन के पुलिस रिमांड पर भेजा गया है। पुलिस प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि 22 जुलाई 2026 को थाना सूरजकुंड क्षेत्र स्थित ग्रीनफील्ड कॉलोनी की रहने वाली एक महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मृत्यु की सूचना प्राप्त हुई थी। पिता की शिकायत पर थाना सूरजकुंड में दहेज हत्या की धारा के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया और जांच अपराध शाखा एनआईटी को सौंपी गई। उन्होंने आगे बताया कि मृतका की पहचान 29 वर्षीय नमीता के रूप में हुई। मृतका के पिता शिव

नारायण ने पुलिस को दी शिकायत में आरोप लगाया कि उनकी बेटी के पति रंजीत कुमार तथा उसके परिवार के सदस्य शादी के बाद से ही दहेज की मांग को लेकर उसकी बेटी को मानसिक एवं शारीरिक रूप से प्रताड़ित करते थे। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि दहेज की मांग पूरी न होने के कारण उनकी बेटी की हत्या कर दी गई है। जांच के दौरान पुलिस टीम ने घटनास्थल, तकनीकी साक्ष्यों, परिस्थितिजन्य तथ्यों तथा अन्य महत्वपूर्ण पहलुओं का गहनता से विश्लेषण किया और तथ्यों के आधार पर मृतका के पति रंजीत कुमार को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। आरोपी ने अपना अपराध स्वीकार करते हुए खुलासा किया कि उसे अपनी पत्नी के चरित्र पर संदेह था। 21/22 जुलाई की रात उसे शक हुआ कि उसकी पत्नी किसी अन्य व्यक्ति से फोन पर बातचीत कर रही है। इसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद हुआ, जिसके बाद गुस्से में आकर उसने अपनी पत्नी की चुन्नी से गला घोंटकर उसकी हत्या कर दी। आरोपी ने पूछताछ में यह भी बताया कि हत्या के बाद उसने गुमराह करने और वारदात को चोरी की घटना का रूप देने के उद्देश्य से घर में रखे आभूषण भी उठा लिए तथा झूठी कहानी बनाई कि चोरी करने आए अज्ञात बदमाशों ने उसकी पत्नी की हत्या कर दी। जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपित होटल हयात दिल्ली में कुक का काम करता है, नवंबर 2025 में आरोपित की शादी नमीता के साथ हुई थी। आरोपित को पुलिस रिमांड पर लिया गया है। इस दौरान आरोपी से घटना से जुड़े साक्ष्यों तथा मामले के सभी पहलुओं के संबंध में गहन पूछताछ की जाएगी।

गो-तस्करी केस में फरार पांच हजार का इनामी आरोपी गिरफ्तार

फरीदाबाद की आवाज

फरीदाबाद। क्राइम ब्रांच ऊंचा गांव की टीम ने अदालत से लम्बे समय से फरार चल रहे पांच हजार के इनामी आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान वकील उर्फ पिकअप निवासी गांव उटावड़, जिला पलवल के रुप में हुई है, वह थाना सदर बल्लभगढ़ में दर्ज हरियाणा गौवंश संरक्षण एवं गौ संवर्धन अधिनियम के एक मामले में लंबे समय से फरार चल रहा था, जिस पर फरीदाबाद पुलिस द्वारा पांच हजार का इनाम भी घोषित किया गया था। पुलिस

ने आरोपी को गुरुवार अदालत में पेश किया, जहां से उसे एक दिन के पुलिस रिमांड पर भेज दिया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि क्राइम ब्रांच ऊंचा गांव की टीम ने 22 जुलाई को गुप्त सूचना के आधार पर आरोपी वकील को उसके गांव उटावड़ में दबिश देकर गिरफ्तार किया है। जांच में सामने आया कि आरोपी वारदात के बाद से ही फरार चल रहा था और दक्षिण भारत में ट्रक चालक का कार्य कर रहा था। करीब दस दिन पहले ही वह अपने गांव वापस आया था। घटना के समय जिस वाहन में गौवंश को भरकर ले जाया जा रहा था, उसे आरोपित वकील उर्फ पिकअप चला रहा था। गाड़ी को मौका पर ही बरामद कर लिया गया था। बता दें कि फरवरी 2025 में पर्वतीय कॉलोनी निवासी एक व्यक्ति की शिकायत पर थाना सदर बल्लभगढ़ में गौ तस्करी करने व वाहन चढ़ाने का प्रयास तथा फायरिंग करने के संबंध में एक मामला दर्ज किया गया था। कैंटर गाड़ी में 21 गोवंश भरे हुये थे। जिस गाड़ी को पुलिस टीम ने मौका पर ही काबू कर लिया था।

बदलते मौसम में बच्चे होने लगे हैं बीमार तो ट्राई करें ये घरेलू नुस्खे, जल्द मिलेगा आराम

आज हम आपको कुछ ऐसे घरेलू नुस्खों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनको अपनाने से मामूली सर्दी-जुकाम या बुखार आसानी से इलाज किया जा सकता है। वहीं अगर यह लक्षण लंबे समय तक बने रहते हैं, तो आपको डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए।

भारत के कई राज्यों में मानसून ने दस्तक दे दी है। मानसूम शुरू होने के साथ ही सर्दी-जुकाम, बुखार, खांसी और ठंड लगने जैसी मौसमी बीमारियों का खतरा भी बढ़ गया है। वहीं इस मौसम से बच्चे और बुजुर्ग थोड़ा जल्दी प्रभावित होते हैं। इसलिए इस मौसम में बच्चों और बुजुर्ग को स्वस्थ रखना कई बार एक बड़ी चुनौती बन जाती है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ ऐसे घरेलू नुस्खों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनको अपनाने से मामूली सर्दी-जुकाम या बुखार आसानी से इलाज किया जा सकता है। वहीं अगर यह लक्षण लंबे समय तक बने रहते हैं, तो आपको डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए।

हल्दी वाला दूध

एक्सपर्ट के मुताबिक सर्दी-जुकाम या बुखार से राहत पाने के लिए बच्चों को हल्दी वाला दूध का सेवन बड़ा असरदार माना जाता है। हल्दी में एंटीसेप्टिक और एंटीबैक्टीरियल गुण पाए जाते हैं, जोकि इंफेक्शन से लड़ने और गले की खराश में राहत देने का काम करते हैं। इसलिए सोने से पहले गुनगुने दूध में थोड़ी सी हल्दी मिलाकर बच्चे को पिला दें।

गुनगुना पानी

सर्दी-जुकाम या बुखार होने पर बच्चों को ठंडी चीजें नहीं देनी चाहिए। बल्कि बच्चे को पीने के लिए गुनगुना या हल्का गर्म पानी देना चाहिए। इससे गले की खराश और सूजन की समस्या कम हो सकती है।

अदरक, तुलसी और शहद का काढ़ा

गले की खराश, खांसी या बुखार आदि में आप बच्चे को तुलसी के पत्ते, अदरक, काली मिर्च और शहद का काढ़ा बनाकर दे सकते हैं। यह स्वास्थ्य के लिए काफी फायदेमंद होता है। हालांकि एक साल से छोटे बच्चे को यह काढ़ा नहीं देना चाहिए।

तुलसी और अदरक का रस

तुलसी के पत्तों और अदरक का रस और थोड़े से शहद में मिलाकर देने से सर्दी-जुकाम और बुखार से राहत मिल सकती है।

तरल पदार्थ

अगर बच्चे को बुखार हो गया है, तो उसको पानी पिलाएं, नारियल पानी, सूप या ताजे फलों का रस भी दे सकते हैं। इससे शरीर में पानी की कमी भी पूरी होगी और एनर्जी भी बनी रहेगी।

बारिश के पानी से भी करें बच्चे का बचाव

बच्चे को बारिश में भीगने या गंदे पानी में खेलने से रोकें।

अगर बच्चा गीला हो गया है तो तुरंत उसके कपड़े बदल दें।

बच्चों की साफ-सफाई का खास ख्याल रखें।

पौष्टिक आहार दें, जिससे बच्चों की इम्यूनिटी मजबूत हो।

नींद पूरी करने और आराम करने के लिए पर्याप्त समय दें।

समय-समय पर टीकाकरण जरूर कराएं।

एल्युमीनियम के बर्तन में भूलकर भी नहीं गर्म करनी चाहिए ये चीजें, स्वास्थ्य को हो सकता है नुकसान

हल्के बर्तनों में एल्युमीनियम के भी बर्तन आते हैं, जिनकी खासियत यह होती है कि यह जल्दी गर्म होते हैं और बजट में भी आते हैं। लेकिन कुछ खाद्य पदार्थ ऐसे होते हैं, जिनको इन बर्तनों में गर्म करना गलत माना जाता है।

हम सभी के घरों में स्टील, लोहे और एल्युमीनियम के बर्तन मिल जाते हैं। हर बर्तन की अपनी अलग खासियत होती है। वहीं हर मेटल में बने खाने का स्वाद अलग-अलग होता है। जहां पर कुछ बर्तन बल्कि होते हैं, तो कुछ बर्तन भारी होते हैं। हल्के बर्तनों में एल्युमीनियम के भी बर्तन आते हैं, जिनकी खासियत यह होती है कि यह जल्दी गर्म होते हैं और बजट में भी आते हैं। लेकिन कुछ खाद्य पदार्थ ऐसे होते हैं, जिनको इन बर्तनों में गर्म करना गलत माना जाता है। कई महिलाएं एल्युमीनियम के बर्तन में चटनी बनाने से लेकर दूध तक गर्म करती हैं। जोकि स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि एल्युमीनियम के बर्तनों में कौन-सी चीजें गर्म नहीं करनी चाहिए और क्यों।

दूध न गर्म करें

दरअसल, एल्युमीनियम के बर्तन हल्के और जल्दी गर्म हो जाते हैं। हालांकि कई लोग दूध उबालने के लिए इन बर्तनों का उपयोग करते हैं। लेकिन इन बर्तनों में दूध नहीं गर्म करना चाहिए। क्योंकि दूध में लैक्टिक एसिड होता है, जोकि एल्युमीनियम के साथ रिएक्ट कर सकता है। जिससे दूध का स्वाद बिगड़ सकता है और दूध से मेटल की गंध भी आ सकती है। वहीं इस बर्तन में दूध उबालने से बर्तन की सतह पर दाग पड़ सकते हैं या फिर यह धीरे-धीरे घिस सकता है।

क्या करें

आप स्टेनलेस स्टील या बोरोसिलिकेट ग्लास के बर्तन में दूध गर्म कर सकते हैं।

इसके अलावा आप इंडक्शन या इलेक्ट्रिकल केटल का इस्तेमाल करते हैं, तो इसमें भी सेफ कोटिंग या स्टील वाले बर्तन का इस्तेमाल करना चाहिए।

नमक या नमक वाला पानी

नमक सोडियम क्लोराइड मौजूद होता है। जोकि एल्युमीनियम के साथ मिलकर एक रासायनिक प्रक्रिया शुरू करता है। इससे धीरे-धीरे बर्तन की सतह खराब हो सकती है।

अगर आप नमकीन खाना एल्युमीनियम बर्तन में पकाते हैं, तो इसको धोने में देर नहीं करनी चाहिए। क्योंकि धोने में देर करने से बर्तन की सतह पर काले या सफेद धब्बे आ सकते हैं। इससे एल्युमीनियम के पार्टिकल्स भी आपके खाने में मिल सकते हैं, जोकि स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हैं।

क्या करें

खाने या नमक वाले पानी के लिए स्टेनलेस स्टील, नॉन स्टिक या कास्ट आयरन बर्तनों का इस्तेमाल करना चाहिए।

अगर आपने एल्युमीनियम बर्तन में नमक वाला कुछ पकाया है, तो उसको फौरन धोकर सुखा लेना चाहिए।

एल्युमीनियम बर्तनों को सूखा और साफ रखना चाहिए। जिससे कि जंग लगने की संभावना न हो।

रेडीमेड सॉस या पैकेज्ड फूड

कई बार हम जल्दी खाना बनाने के लिए फ्रोजन फूड को पका लेते हैं या फिर किसी तरह के सॉस को एल्युमीनियम में गर्म करते हैं। इन खाद्य पदार्थों में एसिडिटी रेगुलेटर, प्रिजरवेटिव्स और अन्य केमिकल्स होते हैं। जोकि गर्म एल्युमीनियम से प्रतिक्रिया कर सकते हैं। इससे खाने का स्वाद बिगड़ सकता है। इस तरह का खाना बार-बार एल्युमीनियम में गर्म करने से बॉडी में एल्युमिनियम पार्टिकल्स प्रवेश करते हैं। जोकि सेहत के लिए खतरनाक साबित हो सकता है।

क्या करें

बता दें कि पैकेज्ड फूड या सॉस को गर्म करने के लिए सेरामिक, ग्लास या स्टेनलेस स्टील के बर्तनों का इस्तेमाल करें।

वहीं माइक्रोवेव में गर्म कर रहे हैं, तो बीपीए मुक्त माइक्रोवेव सेफ कंटेनर का भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

एल्युमीनियम फॉयल में लपेटे हुए खाने को ओवन या माइक्रोवेव में गर्म करने से पहले हटा लें।

सजावट भी और शुभता भी-इन तरीकों से सजाएं तुलसी, घर का पूरा वातावरण हो जाएगा शुद्ध

तुलसी का पौधा घर में शुद्ध वातावरण, सकारात्मक ऊर्जा और सौंदर्य तीनों लाता है। इसे सजाने का मतलब सिर्फ सुंदरता नहीं, बल्कि श्रद्धा और शुभता से घर को भरना है। वास्तु शास्त्र और आयुर्वेद दोनों में तुलसी को विशेष स्थान दिया गया है। आइए जानें तुलसी के पौधे को सजाने के सुंदर और शुभ तरीके।

तुलसी वृंदावन बनाएं - मिट्टी, पत्थर या संगमरमर से बना पारंपरिक वृंदावन घर के आंगन या बालकनी में रखें। इसके चारों कोनों पर छोटे दीपक या कांच की लाइट लगाकर इसे और सुंदर बना सकते हैं। वृंदावन के आस-पास रंगोली, सफेद रंग से अल्पना या कोलम बनाना शुभ माना जाता है।

तुलसी के पास छोटे पौधे और फूल सजाएं - तुलसी के चारों ओर अपराजिता, मनी प्लांट, एलोवेरा या चमेली जैसे छोटे पौधे लगाएं। इससे तुलसी का स्थान और भी हराभरा और शांतिपूर्ण लगेगा।

दीपक और घंटी लगाएं - तुलसी के पास रोज सुबह और शाम दीपक जलाएं। एक छोटी पीतल या कांसे की घंटी भी टांग सकते हैं जिसे पूजा करते समय बजाया जाए।

गमले को सजाएं - अगर तुलसी को गमले में लगा रहे हैं, तो उस गमले को रंगीन पेंटिंग, वॉरली आर्ट या मंत्रों से सजाएं। इसमें फ? नमो भगवते वासुदेवायफ या फहरि ?फ जैसे मंत्र लिखे जा सकते हैं।

तुलसी की माला -तुलसी के पौधे के चारों ओर लकड़ी की माला, रिबन या फूलों की माला लगाकर सजाएं। त्योहारों पर बंदनवार या तोरण से तुलसी का स्थान सजाएं।

हैंगिंग तुलसी प्लांटर - यदि घर में जगह कम है, तो तुलसी को हैंगिंग पॉट्स में बालकनी या रसोई की खिड़की में रखें।

इन बातों का रखें ख्याल -

तुलसी को सूखने न दें, रोज पानी दें।

-उसके पास कभी जूते-चप्पल न रखें।

-तुलसी के पत्ते बिना हाथ धोए और बिना मंत्र बोले न तोड़ें।

कम बजट में किचन को दोबारा डेकोरेट करने के लिए फॉलो करें ये शानदार टिप्स, हर कोई करेगा तारीफ

अगर आपकी किचन भी पुरानी और फीकी सी लगने लगी है, तो आप कुछ चीजों की मदद से किचन को अपडेट करके न्यू और फ्रेश लुक दे सकती हैं। ऐसे में आज हम आपको कुछ ऐसी चीजों के बारे में बताने जा रहे हैं, जो आपके किचन में जान डाल देंगी।

किसी भी चीज को लंबे समय तक एक जैसा देखने या फिर इस्तेमाल करने से मन भर जाता है। इसलिए समय के साथ चीजों को अपडेट करना जरूरी होता है। फिर चाहे वह आउटफिट हो, कमरा हो या फिर किचन हो। अगर आप एक हाउसवाइफ हैं, तो आप रसोईघर का काम भी करती होंगी। लेकिन जिस किचन को आप सालों से यूज कर रही हैं, उसको देखकर अब आप भी बोर हो गई होंगी। अगर आपको भी लगता है कि आपके किचन को एक न्यू लुक की जरूरत है, तो आप आसानी से और कम पैसे में इसको न्यू लुक दे सकती हैं।

अगर आपकी किचन भी पुरानी और फीकी सी लगने लगी है, तो आप कुछ चीजों की मदद से किचन को अपडेट करके न्यू और फ्रेश लुक दे सकती हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ ऐसी चीजों के बारे में बताने जा रहे हैं, जो आपके किचन में जान डाल देंगी।

प्लांट्स लगाएं

अगर आपने किचन को बेहद खूबसूरत और शुद्ध बनाना चाहती हैं, तो किचन में प्लांट्स जरूर लगवाना चाहिए। प्लांट्स लगाने से किचन न सिर्फ अच्छा लगेगा और फ्रेश फील भी देने का काम करेगा। आप प्लाट्ंस को इनडोर में लगाने के साथ किचन की खिड़की पर रखने साथ हैंग भी कर सकती हैं। प्लांट्स लगाने से किचन में पॉजिटिव बदलाव नजर आएगा। वहीं हरियाली के बीच खाना बनाते हुए भी अच्छा लगेगा।

वॉलपेपर लगवाएं

किचन में खाना बनाने के दौरान निकलने वाला धुआं और मसाले आदि की छींटे के निशान टाइल्स पर लग जाते हैं और चिकनाई भी जम जाती है। आप इनकी कितनी ही सफाई कर लें, लेकिन कई बार यह निशान हटने का नाम नहीं लेते हैं। आजकम मार्केट आयल फ्री वॉलपेपर खूब मिलते हैं। ऐसे में आप इन वॉलपेपर को मगंवाकर खुद किचन में चिपका सकती हैं। इन वॉलपेपर पर दाग और चिकनाई के निशान भी नहीं लगते और यह जल्दी साफ भी हो जाते हैं। वहीं अगर यह ज्यादा गंदे हो जाते हैं, तो आप इनको बदलकर नए लगवा सकती हैं।

हैंगिंग लाइट्स

वहीं मार्केट और ऑनलाइन दोनों ही जगह पर यूनिक हैंगिंग लाइट्स भी मिल जाएंगी। ऐसे में आप भी इनसे अपने किचन को डेकोरेट कर सकती हैं। आप किचन के सेंटर में एक लाइन में छोटी-बड़ी के हिसाब से हैंगिंग लाइट्स लगा सकती हैं। डिम लाइट्स जलते ही आपके किचन की रौनक बढ़ जाएगी।

किचन ऑर्गनाइजर

ऑनलाइन में बहुत कम पैसे में सामान रखने के लिए ऑर्गेनाइजर मिल जाएगा। आप इनको किचन में लगवाकर बिखरे रखने वाले डिब्बे-डिब्बियों को एक जगह लाइन से ऑर्गेनाइज कर सकती हैं। इससे आपकी रसोई में स्पेस भी ज्यादा लगेगा और सामान भी बिखरा हुआ नहीं रहेगा। आपको किचन ऑर्गेनाइजर में कई डिजाइन और साइज मिल जाएंगे। जिनको आप किचन के साइज के हिसाब से ले सकती हैं।

कलरफुल एक्सेसरीज

आप मार्केट में मिलने वाली कलरफुल एक्सेसरीज लेकर किचन की वॉल और कैबिनेट पर हैंग कर सकती हैं। इससे किचन साफ-सुथरा और सुंदर दिखने लगेगा।

खुशकिस्मत हूं की टाइपकास्ट नहीं हुई

रसिका दुगल ने गहरे और हटकर किरदारों को चुनकर अपना करियर बनाया है। लेकिन वह मानती हैं कि एक समय ऐसा भी था, जब उन्हें समझ नहीं आ रहा था कि उनका करियर किस दिशा में जा रहा है। जहां 'मिर्जापुर' ने उन्हें घर-घर में पहचान दिलाई, वहीं रसिका का कहना है कि 'मंटो' ने उन्हें उनके करियर के सबसे मुश्किल दौर से बाहर निकाला। रसिका ने उन किरदारों के बारे में बात की जिन्होंने उनकी जिंदगी बदल दी।

'मंटो' ऐसे समय में मिली जब सबसे ज्यादा जरूरत थी

बातचीत में अपने करियर के लिए सबसे अहम प्रोजेक्ट के बारे में बात करते हुए रसिका ने कहा कि 'मिर्जापुर' बेशक सबसे ज्यादा लोगों तक पहुंची। लेकिन 'मंटो' ऐसे समय में मिली जब मुझे इसकी सबसे ज्यादा जरूरत थी। एक ऐसा प्रोजेक्ट जिसमें लोगों ने मुझे एक अलग नजरिए से देखा और जो बहुत बड़े दर्शकों तक पहुंचा, वह निश्चित रूप से 'मिर्जापुर' था। लेकिन मुझे लगता है कि जिस चीज ने मुझे उस मुश्किल दौर से बाहर निकाला, वह 'मंटो' थी।
रसिका का कहना है कि वह खुशकिस्मत रहीं कि एक ही तरह के किरदारों में बंधकर नहीं रह गईं। 'मिर्जापुर' में एक्टर्स को उनके किरदारों के नाम से जाना जाता है। लेकिन मैं लकी थी क्योंकि 'मंटो', 'मिर्जापुर' और 'दिल्ली क्राइम' लगभग एक ही समय पर रिलीज हुए थे। 'दिल्ली क्राइम' और 'मिर्जापुर' में बिल्कुल अलग-अलग किरदार थे। इसलिए मैं खुशकिस्मत थी कि मुझे उस विविधता को आजमाने और दिखाने का मौका मिला। दोनों ने अपने-अपने तरीके से बहुत अच्छा प्रदर्शन किया। 'दिल्ली क्राइम' एक बहुत ही शानदार शो है। रसिका ने माना कि टाइपकास्टिंग से बचना हमेशा उनकी प्राथमिकता नहीं थी।

लॉन्ग-डिस्टेंस रिलेशनशिप को लेकर शहनाज गिल ने बताया अपना अनुभव

बॉलीवुड अभिनेत्री शहनाज गिल ने हाल ही में लॉन्ग-डिस्टेंस रिलेशनशिप को लेकर एक बड़ा खुलासा किया है। उन्होंने अपने अनुभव को साझा करते हुए कहा कि इसे लेकर मन में एक डर आता है।

जब शहनाज से पूछा गया कि क्या दूर रहने से प्यार बढ़ता है या कम हो जाता है? इस पर उन्होंने कहा, 'जब दो लोग एक-दूसरे से दूर होते हैं, तो प्यार और पार्टनर की अहमियत बढ़ जाती है। लेकिन इसके साथ ही एक डर भी मन में आता है कि सामने वाला इंसान पीठ पीछे क्या कर रहा होगा। इसलिए दूरी से शक भी बढ़ जाता है।' शहनाज ने कहा, 'मेरा मानना है कि अगर प्यार सच्चा हो और पार्टनर पास हो, तो रिश्ते में किसी दूरी की जरूरत नहीं होती।'

आज के दौर में प्यार

जब शहनाज से पूछा गया कि आज के डेटिंग ऐप्स के जमाने में क्या ऐसा सच्चा प्यार मुमकिन है? तो उन्होंने कहा कि प्यार किसी भी तरह का हो, चाहे पुराने जमाने का या आज के दौर का बस दिल में सच्चा प्यार होना चाहिए। फिल्म 'इश्कनामा' एक सच्ची घटना पर आधारित बताई जा रही है। यह फिल्म निम्मा और नसीमा नाम के दो प्रेमियों की असल जिंदगी की कहानी है। इसकी कहानी 1981 से 1988 के बीच भारत-पाकिस्तान बॉर्डर के आस-पास की है, जो प्यार, उनके त्याग और मजबूरी में अलग होने के दर्द को दिखाती है।

किस किताब पर आधारित है 'इश्कनामा'

फिल्म 'इश्कनामा', 'हिंद पाक बॉर्डरनामा' नाम की किताब पर बनी बताई जा रही है। इस फिल्म में शहनाज गिल के साथ जय रंधावा और सौरभ सचदेवा मुख्य भूमिकाओं में हैं। इस फिल्म के डायरेक्टर अरविंद एस. खैरा हैं। फिल्म का म्यूजिक बी प्राक ने दिया है और गाने जानी ने लिखे हैं। यह फिल्म 24 जुलाई को भारत, कनाडा और यूके समेत दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

रियलिटी शो में आता है कलाकारों का असली चेहरा, किरदार से अलग होती है पहचान

टीवी अभिनेत्री ईशा सिंह 'बिग बॉस 18' में नजर आने के बाद काफी सुर्खियों में रही हैं। अब उन्होंने रियलिटी शो और एक्टिंग की दुनिया के बीच के फर्क को लेकर अपनी राय साझा की है।

उनका मानना है कि रियलिटी शो कलाकार के असली स्वभाव को समझने का मौका देते हैं। जब कोई कलाकार रियलिटी शो में आता है तो दर्शक उसे उसके निभाए किरदारों से अलग एक इंसान के रूप में जान पाते हैं। इंटरव्यू में ईशा सिंह से जब पूछा गया कि क्या रियलिटी शो किसी अभिनेता या अभिनेत्री को ज्यादा लोकप्रिय बनाने में मदद करते हैं, इस पर उन्होंने कहा, ''मुझे नहीं पता कि इससे किसी कलाकार की लोकप्रियता कितनी बढ़ती है, लेकिन दर्शकों को अपने पसंदीदा सितारों की निजी जिंदगी के बारे में जानने में हमेशा दिलचस्पी रहती है। लोग बिहाइंड द सीन्स जैसी चीजें इसलिए देखना पसंद करते हैं, क्योंकि वे कलाकार को और करीब से जानना चाहते हैं। जब कोई कलाकार किसी रियलिटी शो में आता है तो दर्शकों को उसके असली स्वभाव, व्यवहार और पसंद-नापसंद को समझने का मौका मिलता है।''
अभिनेत्री ने उदाहरण देते हुए कहा, ''दर्शक मेरे निभाए किरदारों जैसे जुही और सैयम को जानते हैं, लेकिन असल जिंदगी में ईशा कैसी हैं, उनका व्यवहार कैसा है और वह किस तरह की इंसान हैं, यह जानने का मौका रियलिटी शो से ही मिलता है। रियलिटी शो में कोई किरदार नहीं होता और न ही कोई अभिनय का पर्दा होता है, बल्कि वहां कलाकार खुद के रूप में सामने आता है।''
ईशा सिंह ने कहा, ''यही वजह है कि दर्शकों का कलाकारों के साथ एक अलग जुड़ाव बन जाता है। लोग सिर्फ किसी कलाकार का काम ही नहीं देखना चाहते, बल्कि यह भी जानना चाहते हैं कि वह अपनी निजी जिंदगी में कैसा है। दर्शकों को यह जानने में भी दिलचस्पी होती है कि कोई कलाकार क्या पहनता है, कैसे तैयार होता है, क्या खाता है और उसका व्यवहार कैसा है।''
उन्होंने आगे कहा, ''रियलिटी शो और फिक्शन शो दो बिल्कुल अलग चीजें हैं। दोनों का अपना अलग महत्व और अलग दर्शक वर्ग होता है। रियलिटी शो में कलाकार का निजी पक्ष सामने आता है, जबकि अभिनय में कलाकार किसी कहानी और किरदार को जीता है। रियलिटी शो की अपनी अलग ऑडियंस होती है। आज कई तरह के रियलिटी शो बनाए जा रहे हैं। लेकिन एक्टिंग पूरी तरह अलग चीज है। यह बिल्कुल अलग तरह का क्षेत्र है।''

'आर्टिकल 370' के लिए नेशनल अवॉर्ड मैं जिंदगी भर याद रखूंगी

अभिनेत्री यामी गौतम को 72वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों में सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री घोषित किया गया है। उन्हें फिल्म 'आर्टिकल 370' में बेहतरीन अदाकारी करने के लिए यह पुरस्कार दिया गया है। इसके अलावा उनकी फिल्म 'आर्टिकल 370' को सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म का पुरस्कार दिया गया है। इस कामयाबी से अभिनेत्री खुश हैं। पुरस्कार मिलने पर उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट लिखी है। अभिनेत्री ने पुरस्कार मिलने के बाद एक्स पर लिखा 'हर सफर में एक ऐसा पल आता है, जो आपको याद दिलाता है कि आपने हार क्यों नहीं मानी। आज मेरे लिए वही पल है। 'आर्टिकल 370' के लिए नेशनल अवॉर्ड मिलना मेरे लिए एक ऐसा सम्मान है जिसे मैं जिंदगी भर याद रखूंगी।' उन्होंने आगे लिखा 'चौदह वर्षों से, मैंने बस अपने काम के प्रति ईमानदार रहने, ईमानदारी से काम करने और अपनी परफॉर्मेंस को ही अपनी पहचान बनाने की कोशिश की है। यह सम्मान उम्मीद, हिम्मत, मजबूती और सिनेमा के लिए अटूट प्यार से भरे सफर का नतीजा लगता है। यह एक ऐसा सपना है, जिसे मैंने वर्षों से अपने दिल में संजोकर रखा था और आज, मैं इसे बहुत आभार और विनम्रता के साथ स्वीकार कर रही हूं।'

यामी ने जताया आभार

उन्होंने फिल्म 'आर्टिकल 370' को चुनने के लिए और इसे पुरस्कार देने के लिए आभार जताया है। उन्होंने लिखा 'मेरे परिवार, मेरी टीम, मेरे शुभचिंतकों और उन सभी लोगों का शुक्रिया जिन्होंने उतार-चढ़ाव के हर दौर में मुझ पर भरोसा किया। आपके भरोसे ने मुझे आगे बढ़ते रहने की हिम्मत दी, तब भी जब मंजिल बहुत दूर लगती थी।'

'आर्टिकल 370' को तीन राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार मिलने पर गदगद हैं आदित्य धर

बीते दिनों 72वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार के विजेताओं के नाम का एलान हुआ। यामी गौतम अभिनीत फिल्म 'आर्टिकल 370' को बेस्ट फीचर फिल्म का पुरस्कार मिला है। इसके अलावा फिल्म ने दो और पुरस्कार जीते हैं। इसी फिल्म के लिए यामी गौतम के नाम का एलान सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के तौर पर किया गया है। इसके अलावा सर्वश्रेष्ठ संगीत निर्देशन के लिए शशवत सचदेव ने पुरस्कार जीता है। इस पर आदित्य धर ने रिएक्शन दिया है।

आदित्य धर ने जताई खुशी

बता दें कि 72वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार साल 2024 के लिए प्रदान किए जाएंगे। विजेताओं का एलान हो चुका है। 'आर्टिकल 370' को तीन पुरस्कार मिलने पर आदित्य धर गदगद हैं। उन्होंने इस फिल्म का निर्माण किया है। 'धुरंधर' डायरेक्टर ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट साझा कर खुशी जताई है और यह वादा किया है कि वे इसी तरह की कहानियां लाते रहेंगे।

शब्दों में बयां करना मुश्किल

आदित्य धर ने लिखा है, 'फिल्म 'आर्टिकल 370' के लिए तीन नेशनल अवॉर्ड जीतना एक ऐसा पल है, जिसे शब्दों में बयां करना मुश्किल है। यह अनुभव मुझे विनम्र और भावुक बनाता है और मेरा दिल गहरे आभार से भर देता है। जब हमने यह फिल्म बनाने का फैसला किया, तो हमारा मकसद अवॉर्ड पाना नहीं था। हम ईमानदारी, हिम्मत और सच्चाई के साथ एक कहानी कहने के पक्के इरादे से प्रेरित थे। यह देखना वाकई बहुत सुखद है कि देश भर के दर्शकों ने इस सफर को पसंद किया और अब इसे भारतीय सिनेमा के सबसे बड़े सम्मान से नवाजा गया है।

ऐसी कहानियां सुनाते रहेंगे

आदित्य ने आगे लिखा है, 'जियो स्टूडियोज में हमारे पार्टनर्स, खासकर ज्योति देशपांडे का दिल से शुक्रिया, जिन्होंने अटूट भरोसे के साथ इस फिल्म का साथ दिया और सार्थक सिनेमा को बढ़ावा दिया। पुरस्कार मिलना खुशी तो है ही, साथ ही वे आगे की जिम्मेदारी की याद भी दिलाते हैं। यह सम्मान हमारे इस भरोसे को और मजबूत करता है कि ईमानदारी, पक्के इरादे और मकसद के साथ कही गई कहानियां हमेशा अपनी जगह बना ही लेती हैं। यह मंजिल नहीं है। यह एक वादा है कि हम नई सीमाएं तय करते रहेंगे, ऐसी कहानियां सुनाते रहेंगे, जो मायने रखती हैं और ऐसा सिनेमा बनाते रहेंगे जो बातचीत शुरू करे। भावनाओं को जगाए और एक गहरी छाप छोड़े। दिल की गहराइयों से... धन्यवाद। यह सम्मान हम सभी का है। जय हिंद'।

यामी और प्रियामणि के अभिनय को सराहा

इस शानदार सम्मान के लिए सम्मानित जूरी का और उन सभी लोगों का मैं तहे दिल से शुक्रिया अदा करता हूं, जिन्होंने 'आर्टिकल 370' देखी, उसे सपोर्ट किया, उस पर चर्चा की और उसमें भरोसा जताया। आपके प्यार ने इस फिल्म को स्क्रीन से परे एक नई जिंदगी दी। यह सम्मान हमारे बेहतरीन डायरेक्टर, आदित्य सुहास जांभले का है, जिनकी सोच और पक्के इरादे ने हर फ्रेम को आकार दिया। यामी गौतम और प्रियामणि का भी शुक्रिया, जिन्होंने अपनी एक्टिंग में इतनी गहराई, मजबूती और सच्चाई दिखाई। शाश्वत सचदेव का भी धन्यवाद, जिनका संगीत हमारी कहानी कहने की कला की जान बन गया। हमारी कास्ट और क्रू के हर सदस्य का भी शुक्रिया, जिनकी लगातार मेहनत, जुनून और भरोसे ने नामुमकिन को मुमकिन कर दिखाया'।

प्रदर्शन में पैलेट गन दागी, युवक का कान कटकर नीचे गिरा

मेडिकल रिपोर्टों में दर्ज हुए चोटों के निशान

नई दिल्ली (एजेंसी)। जंतर-मंतर पर हाल ही में हुए विरोध प्रदर्शन के दौरान घायल हुए प्रदर्शनकारियों की मेडिकल रिपोर्टों में ऐसे तथ्य सामने आए हैं, जिनसे पैलेट गन और रबर बुलेट के इस्तेमाल की आशंका मजबूत हुई है। हालांकि, दिल्ली पुलिस ने इन आरोपों से साफ इनकार किया है, जबकि केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) ने इस मामले पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी है।

घायलों की मेडिको-लीगल केस (एमएलसी) रिपोर्टों में कई गंभीर चोटों का उल्लेख किया गया है। राम मनोहर लोहिया अस्पताल से जारी एक महिला प्रदर्शनकारी टोप्पो की रिपोर्ट में संदिग्ध गोली लगने से चोट दर्ज है। टोप्पो का दावा है कि उन्हें रबर बुलेट लगी थी, जिससे उनके दाहिने कान का एक हिस्सा कटकर जमीन पर गिरा और गंभीर रूप से घायल हो गया। उन्होंने बताया कि घटना के समय पुलिस आंसू गैस के गोले छोड़ रही थी और फायरिंग भी की जा रही थी। इसी दौरान उनके कान पर रबर बुलेट लगी और कान का हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। सफदरजंग अस्पताल में भर्ती 28 वर्षीय एक पत्रकार की मेडिकल रिपोर्ट में कमर और हाथों पर पैलेट इंजरी के निशान दर्ज किए गए हैं। रिपोर्ट में उल्लेख है कि जंतर-मंतर पर पैलेट गन से हमला हुआ था। घायल पत्रकार का कहना है कि डॉक्टरों ने उन्हें बताया कि उनके शरीर में कई छर्रे धंसे हुए हैं, जिन्हें अधिक संख्या में होने के कारण सर्जरी के जरिए निकालना आसान नहीं है।

प्रदर्शन में घायल 19 वर्षीय साहिल का इलाज एम्स में चल रहा है। परिजनों के अनुसार, उनकी दाहिनी आंख में पैलेट घुस गया, जिससे आंख में गंभीर चोट आई है और एक और सर्जरी की आवश्यकता पड़ सकती है। इसके अलावा उनके चेहरे, गर्दन, छाती और पेट में भी कई छर्रे फंसे हुए हैं। वहीं लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज में भर्ती एक अन्य घायल मंसूरी ने बताया कि उनके चेहरे और गर्दन से छर्रे निकालने के लिए दो सर्जरी करनी पड़ीं। उनका कहना है कि आंसू गैस का गोला फटने के बाद उन्हें चेहरे पर तेज जलन महसूस हुई और बाद में गंभीर चोटों का पता चला।

दूसरी ओर, दिल्ली पुलिस ने पैलेट गन या रबर बुलेट के इस्तेमाल से स्पष्ट इनकार किया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि रैपिड एक्शन फोर्स (आरएएफ) के पास दंगा नियंत्रण के उपकरण होते हैं, लेकिन उनके इस्तेमाल को लेकर वे कोई पुष्टि नहीं कर सकते। वहीं सीआरपीएफ ने इस पूरे मामले पर आधिकारिक टिप्पणी करने से परहेज किया है। हालांकि, सूत्रों के अनुसार आरएएफ के पास पैलेट गन जैसे दंगा-रोधी उपकरण उपलब्ध होते हैं और भीड़ नियंत्रण के दौरान उनका उपयोग किया जा सकता है। मेडिकल रिपोर्टों के सामने आने के बाद प्रदर्शन के दौरान बल प्रयोग को लेकर सवाल तेज हो गए हैं। अब इस मामले में स्वतंत्र जांच और संबंधित एजेंसियों की आधिकारिक प्रतिक्रिया का इंतजार किया जा रहा है।

दिल्ली में आज भी 17 मेट्रो स्टेशन बंद, यात्रियों को परेशानी

-तीन स्टेशनों पर इंटरचेंज सुविधा

नई दिल्ली (एजेंसी)। जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के चलते दिल्ली में यातायात व्यवस्था प्रभावित बनी हुई है। दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन ने शुक्रवार को भी 17 मेट्रो स्टेशनों को सुबह 7-30 बजे से अगले आदेश तक बंद रखने का फैसला किया है। हालांकि यात्रियों की सुविधा के लिए राजीव चौक, मंडी हाउस और सेंट्रल सेक्रेटेरिएट मेट्रो स्टेशनों पर इंटरचेंज की सुविधा जारी रहेगी। बंद रहने वाले स्टेशनों में लोक कल्याण मार्ग, राजीव चौक, पटेल चौक, रामकृष्ण आश्रम मार्ग, बाराखंभा रोड, सुप्रीम कोर्ट, सेवा तीर्थ, जनपथ, मंडी हाउस, सेंट्रल सेक्रेटेरिएट, आईटीओ, दिल्ली गेट, इंद्रप्रस्थ, खान मार्केट, जोर बाग, शिवाजी स्टेडियम और झंडेवालान शामिल हैं। इससे पहले गुरुवार को भी मध्य दिल्ली में यातायात व्यवस्था बुरी तरह प्रभावित रही थी। कई प्रमुख सड़कों पर बैरिकेडिंग और मेट्रो स्टेशनों के बंद रहने से लोगों को जाम का सामना करना पड़ा। यात्रियों ने बताया कि मेट्रो सेवा प्रभावित होने के कारण उनके सफर में 40 से 45 मिनट तक अतिरिक्त समय लगा। शाम के समय दफ्तरों की छुट्टी के बाद स्थिति और ज्यादा खराब हो गई। बसों में भीड़ बढ़ गई और कई लोगों को घर पहुंचने के लिए वैकल्पिक रास्तों का सहारा लेना पड़ा। प्रशासन ने लोगों से यात्रा की योजना बनाकर निकलने की अपील की है।

हजारीबाग में मुठभेड़ के बाद राहुल दुबे गिरोह के दो अपराधी गिरफ्तार, एक जख्मी

हजारीबाग (एजेंसी)। हजारीबाग के केरेडारी थाना क्षेत्र में शुक्रवार तड़के पुलिस और राहुल दुबे गिरोह के सदस्यों के बीच हुई मुठभेड़ में एक अपराधी पुलिस की जवाबी फायरिंग में घायल हो गया, जबकि दो अन्य को मौके से गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस के अनुसार उन्हें गुप्त सूचना मिली थी कि राहुल दुबे गिरोह के सदस्य चंद्रगुप्त कोल परियोजना क्षेत्र में लेवी वसूलने की फिराक में किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की तैयारी में हैं। इसी सूचना पर केरेडारी थाना और पगार ओपी की संयुक्त टीम ने बुकरु गांव के पास ट्रांसपोर्टिंग मार्ग पर घेराबंदी की। पुलिस को देखते ही अपराधियों ने जंगल की ओर भागने का प्रयास किया और फायरिंग शुरू कर दी। आत्मरक्षा में पुलिस की जवाबी फायरिंग में एक अपराधी के पैर में गोली लगी। घायल अपराधी को इलाज के लिए शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, हजारीबाग में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने घटनास्थल से एक मोटरसाइकिल और एक अवैध पिस्तौल भी बरामद की है। घटना की सूचना पर हजारीबाग एसपी अमन कुमार और बड़कागांव एसडीपीओ अमित आनंद ने भी मौके का मुआयना किया। गिरफ्तार अपराधियों से राहुल दुबे गिरोह के नेटवर्क और लेवी वसूली से जुड़ी अन्य जानकारी जुटाई जा रही है।

असम में कई इलाके जलमग्न, बाढ़ से 7.21 लाख लोग प्रभावित, 6 लोगों की हुई मौत

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम के कई हिस्से जलमग्न हैं। अधिकारियों ने बताया कि 11 जिले बाढ़ की चपेट में हैं। इससे 7.21 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हुए हैं, जबकि मरने वालों की संख्या 6 हो गई है। एएसडीएमए के मुताबिक बाढ़ से प्रभावित जिले गोलाघाट, होजई, कामरूप, चराइदेव, जोरहाट, डिब्रूगढ़, शिवसागर, नागांव, कामरूप (मेट्रो), कार्बी आंगलोंग और तिनसुकिया हैं। कुल 37 राजस्व सर्कल और 883 गांव प्रभावित हुए हैं, जबकि बाढ़ के कारण 25,375.44 हेक्टेयर फसल को नुकसान पहुंचा है। अधिकारियों ने बताया कि बाढ़ का सबसे गंभीर असर शिवसागर जिले में देखा गया है, जहां 3,75,682 लोग प्रभावित हुए। इसके बाद चराइदेव में 1,86,351 और जोरहाट में 1,15,764 लोग प्रभावित हुए हैं। आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने पुष्टि की कि अब तक बाढ़ के कारण 6 लोगों की मौत हुई है। शिवसागर में 4, जबकि चराइदेव जिले में दो लोग बाढ़ की चपेट में आए। बाढ़ की ताजा रिपोर्ट में किसी के लापता होने की सूचना नहीं है। ग्रामीण के साथ शहरी क्षेत्र भी बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। अधिकारियों ने बताया कि 5 राजस्व सर्कल और 17 इलाके या वार्ड प्रभावित हुए हैं, जिससे 592 लोग प्रभावित हुए हैं। शहरी इलाकों में पानी भरने से कई निचले इलाकों में सामान्य जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। प्रशासन ने प्रभावित जिलों में राहत सुविधाएं शुरू की हैं। अभी 103 राहत शिविर और 255 राहत वितरण केंद्र चल रहे हैं। अधिकारियों ने बताया कि 24,000 से ज्यादा लोग राहत शिविरों में रह रहे हैं, जबकि 2.39 लाख से ज्यादा लोगों को मदद पहुंचाई गई है। अधिकारियों ने यह भी बताया कि सबसे अधिक प्रभावित जिलों में एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, सेना, अग्निशमन व आपातकालीन सेवाएं और जिला प्रशासन की टीमें राहत व बचाव अभियान में जुटी हैं।

आंदोलन का असर चुनाव की तैयारियों पर दिखा, भाजपा नेतृत्व हुआ सतर्क

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में छात्रों और विभिन्न संगठनों के आंदोलनों का असर अब उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव की तैयारियों पर भी दिखाई देने लगा है। भाजपा नेतृत्व चुनाव से पहले किसी भी प्रकार के जनाक्रोश को लेकर सतर्क हो गया है। इसी रणनीति के तहत केंद्रीय मंत्रियों, प्रदेश मंत्रियों और विधायकों को अपने-अपने क्षेत्रों में सक्रिय रहने तथा जनता के बीच लगातार संवाद बनाए रखने के निर्देश दिए गए हैं। पार्टी संगठन ने जनप्रतिनिधियों से कहा है कि वे बूथ स्तर तक पहुंचकर कार्यकर्ताओं को सक्रिय करें, केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार करें तथा जनता की शिकायतों का त्वरित समाधान सुनिश्चित करें। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि दिल्ली में चल रहे आंदोलनों और विपक्ष के हमलों को देखते हुए भाजपा चुनावी माहौल को अपने पक्ष में बनाए रखने के लिए कोई जोखिम नहीं लेना चाहती। सूत्रों के अनुसार, पार्टी नेतृत्व नियमित समीक्षा बैठकों के माध्यम से जनप्रतिनिधियों के दौरे और जनसंपर्क अभियानों की निगरानी भी कर रहा है। वहीं विपक्ष का दावा है कि भाजपा जनता के बढ़ते असंतोष से चिंतित है, जबकि भाजपा का कहना है कि यह चुनाव पूर्व सामान्य संगठनात्मक तैयारी का हिस्सा है। आगामी उत्तर प्रदेश चुनावों को देखते हुए प्रदेश में राजनीतिक गतिविधियां लगातार तेज होती जा रही हैं।

बुलावा नहीं आया, तो सोशल मीडिया पर छलका दर्द-ए-दिल, भाजपा में सब कुछ ठीक है?

मुंबई (एजेंसी)। गोरखपुर (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में पूर्वांचल के पहले सिक्सलेन फ्लाईओवर के लोकार्पण समारोह से एक राजनीतिक संदेश भी निकलकर सामने आया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जहां 995 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया, वहीं भाजपा के राज्यसभा सांसद और राष्ट्रीय मंत्री डॉ. राधा मोहन दास अग्रवाल का दर्द सोशल मीडिया पर सुर्खियां बन गया। उन्होंने लिखा कि घर के सामने फ्लाईओवर का उद्घाटन हुआ, जाने की इच्छा भी थी, लेकिन निमंत्रण नहीं मिला।

राजनीतिक गलियारों में इसे लेकर तरह-तरह की चर्चाएं हैं। सवाल उठ रहा है कि क्या भाजपा में अब निमंत्रण भी राजनीतिक संदेश देने का माध्यम बन गया है? चार बार गोरखपुर शहर से विधायक रह चुके और वर्तमान में पार्टी के राष्ट्रीय मंत्री जैसे अहम पद पर बैठे नेता को यदि मंच तक बुलावा नहीं मिले, तो इसे महज प्रशासनिक चूक मानना आसान नहीं होगा।

डॉ. अग्रवाल ने मुख्यमंत्री को धन्यवाद देते हुए जनता को बधाई भी दी, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह को टैग कर अपनी पीड़ा सार्वजनिक कर दी। अब राजनीतिक विश्लेषक इसे फ्लाईओवर से ज्यादा ऊंची होती सियासी दूरियां बताकर चर्चा कर रहे हैं। आखिर बुलावे की राजनीति में किसका कद बढ़ा और किसका घटा, यह सवाल फिलहाल गोरखपुर की सियासत में सबसे ज्यादा गूंज रहा है।

पीएम मोदी के वीडियो पर बोले खड़गे- पहले धर्मेंद्र प्रधान को बर्खास्त कर संसद आइए

नई दिल्ली (एजेंसी)। नीट पेपर लीक मामले पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा देर रात जारी किए गए वीडियो संदेश के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि जब संसद का सत्र चल रहा हो, तब प्रधानमंत्री को सदन में आकर बयान देना चाहिए, न कि संसद के बाहर वीडियो संदेश जारी करना चाहिए।

कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने सोशल मीडिया प्लेट्फार्म एक्स पर प्रधानमंत्री को संबोधित करते हुए लिखा कि संसद में आने से पहले केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को उनके पद से बर्खास्त किया जाए। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार जवाबदेही से बचने का प्रयास कर रही है और छात्रों के साथ हुए अन्याय पर अब तक कोई ठोस राजनीतिक जिम्मेदारी तय नहीं की गई है। कांग्रेस अध्यक्ष ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की मांगों को दोहराते हुए कहा कि प्रधानमंत्री पहले छात्रों से सार्वजनिक रूप से माफी मांगें। साथ ही प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर लाठीचार्ज और पेलेट गन के इस्तेमाल के लिए जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। खड़गे ने कहा कि इन कदमों के बाद ही शिक्षा व्यवस्था और पेपर लीक जैसे गंभीर मुद्दों पर सार्थक चर्चा संभव होगी।

इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी ने देर रात जारी वीडियो संदेश में कहा था, कि पेपर लीक रोकने के लिए सरकार सख्त कानून लाने की तैयारी कर रही है। उन्होंने बताया कि अधिकारियों ने फास्ट ट्रैक कोर्ट के गठन और दोषियों को शीघ्र एवं कड़ी सजा दिलाने संबंधी मसौदा तैयार कर उन्हें सौंप दिया है। इस प्रस्ताव पर शुक्रवार को केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में चर्चा होगी और मंत्रियों के सुझावों के बाद इसे अंतिम रूप दिया जाएगा।

राहुल ने पीएम मोदी पर कसा तंज बोले- पहले शिक्षा मंत्री को हटाइए

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने नीट पेपर लीक विवाद को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री आधी रात को वीडियो जारी कर प्रदर्शनकारी छात्रों की समझदारी का अपमान कर रहे हैं। उन्होंने केंद्र सरकार से मांग की कि केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को पद से हटाया जाए, प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर लाठीचार्ज करने वालों को सजा दी जाए और सरकार इस पूरे मामले पर देश के छात्रों से माफी मांगे।

राहुल गांधी का यह बयान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उस घोषणा के बाद आया है, जिसमें उन्होंने कहा था कि कैबिनेट की बैठक में पेपर लीक के खिलाफ और अधिक सख्त कदम उठाने पर चर्चा की जाएगी। राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा में कथित अनियमितताओं को लेकर केंद्र सरकार पर राजनीतिक दबाव लगातार बढ़ रहा है। विपक्षी दल इस मुद्दे को लेकर लगातार सरकार की जवाबदेही तय करने और शिक्षा मंत्री के इस्तीफे पर अड़े हुए हैं।

दूसरी ओर, कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के नेता अभिजीत दिपके ने लद्दाख के पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक द्वारा 26 दिनों से जारी अपनी भूख हड़ताल समाप्त करने पर राहत जताई है। दिपके ने कहा कि वांगचुक के त्याग और साहस ने पूरे देश की अंतरात्मा को जगाने का काम किया है। उन्होंने साफ किया कि जब तक शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान अपने पद से इस्तीफा नहीं दे देते, तब तक जंतर-मंतर पर उनका शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा। उल्लेखनीय है कि सोनम वांगचुक ने गुरुग्राम के एक निजी अस्पताल में केंद्रीय मंत्रियों जे.पी. नड्डा और जितेंद्र सिंह, लेह-लद्दाख की एपेक्स बॉडी के वरिष्ठ नेताओं तथा अपने परिवार की मौजूदगी में उपवास तोड़ा। संसद के 65 सदस्यों द्वारा की गई अपील और देश भर से समर्थन मिलने के बाद उन्होंने अपना 26 दिनों का अनशन समाप्त किया।

26 जुलाई को पूरे देश में सपा मनाएगी संविधान-मानस्तंभ स्थापना दिवस

-अखिलेश बोले- जब संविधान बचेगा तभी आरक्षण बचेगा, संविधान ही है ढाल

लखनऊ (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि 26 जुलाई को पूरे यूपी और देशभर में संविधान-मानस्तंभ स्थापना दिवस मनाया जाएगा। अखिलेश यादव ने कहा कि इसी दिन कोल्हापुर के तत्कालीन शासक राजर्षि छत्रपति शाहूजी महाराज ने महात्मा ज्योतिबा फुले की विचारधारा से प्रेरित होकर आरक्षण व्यवस्था लागू की थी। उनके मुताबिक यह सामाजिक न्याय को व्यवहार में उतारने की एक ऐतिहासिक पहल थी, जिसने आगे चलकर संविधान में समानता और सामाजिक न्याय के प्रावधानों की मजबूत नींव रखी।

सपा प्रमुख ने शुक्रवार को एक्स पर लिखा कि आरक्षण दिवस 26 जुलाई को समाजवादी पार्टी ने संविधान-मानस्तंभ स्थापना दिवस के रूप में भी मनाने का फैसल लिया है क्योंकि इसी दिन महात्मा ज्योतिबा फुले द्वारा संकल्पित 'आरक्षण' को कोल्हापुर के परम आदरणीय-अनुकरणीय श्रीमंत महाराज राजर्षि छत्रपति शाहूजी महाराज ने अपने कोल्हापुर राज्य में लागू किया था। इसी दिन आरक्षण देने का शुभारंभ हुआ था। उन्होंने आगे कहा कि सामाजिक न्याय की भावना को आरक्षण के रूप में इसी दिन अमल में लाया गया था, जो आगे चलकर बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर के सद्प्रयासों से हमारे संविधान में एक जनाधिकार के रूप में सामाजिक न्याय को सुनिश्चित करने का मूल आधार बना और देश के लोकतंत्र की स्थापना का मूल सिद्धांत भी। इसके लिए हर वर्ष 26 जुलाई से अधिक ऐतिहासिक अवसर और क्या हो सकता है, क्योंकि विचार को सही में लागू करना ही तो सबसे बड़ा और प्रभावशाली उदाहरण होता है, जो परम आदरणीय-अनुकरणीय श्रीमंत महाराज राजर्षि छत्रपति शाहूजी महाराज जी ने इस दिन लागू करके दिखलाया था।

सपा मुखिया अखिलेश यादव ने कहा कि इसी परिप्रेक्ष्य में इस वर्ष भी 26 जुलाई को पूरे उत्तर प्रदेश और देश में समाजवादी पार्टी संविधान-मानस्तंभ स्थापना दिवस का आयोजन कर रही है। इस दिन सपा के मुख्यालय व सभी कार्यालयों में एक सादगीपूर्ण समारोह में भारत के संविधान की प्रति के सानिध्य में संविधान-मानस्तंभ स्थापना दिवस आयोजित किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि इसके पीछे मूल भावना यही है कि संविधान-मानस्तंभ वस्तुतः पीडीए-प्रकाशस्तंभ के रूप में हमारे सामाजिक न्याय के राज' की स्थापना के संकल्प का मार्ग सदैव प्रकाशित और प्रशस्त करता रहे। जब संविधान बचेगा तभी आरक्षण बचेगा। संविधान ही ढाल है, संविधान ही कवच है। संविधान ही गैर बराबरी दूर करके समता-समानता को सुनिश्चित करेगा और हमारे 'बंधु राष्ट्र' बनाने के महा-संकल्प को भी।

अब जगन्नाथ धाम और महाप्रसाद का व्यावसायिक उपयोग करना होगा अवैध

पुरी जगन्नाथ मंदिर प्रशासन को मिले 5 नए ट्रेडमार्क

पुरी(एजेंसी)। हिंदुओं के पवित्र चार धामों में से एक, ओडिशा स्थित श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन (एसजेटीए) ने 12वीं सदी के इस ऐतिहासिक मंदिर की पहचान और अनूठी परंपराओं की सुरक्षा के लिए एक बड़ी कानूनी उपलब्धि हासिल की है। ट्रेड मार्क्स रजिस्ट्री ने जांच के दूसरे चरण के बाद मंदिर प्रशासन के पांच नए ट्रेडमार्क आवेदनों को स्वीकार कर लिया है। इन नए स्वीकृत शब्दों में जगन्नाथ धाम, श्रीक्षेत्र, महाप्रसाद, नीलचक्र और कोइली बैकुंठ शामिल हैं, जिन्हें जल्द ही ट्रेड मार्क्स जर्नल में प्रकाशित किया जाएगा। मंदिर कार्यालय द्वारा जारी बयान के अनुसार, यह कदम महाप्रभु श्री जगन्नाथ की पवित्र संस्कृति से जुड़े धार्मिक चिह्नों और पहचान के अनधिकृत तथा व्यावसायिक दुरुपयोग को रोकने के लिए उठाया गया है।

हाल के वर्षों में कई व्यक्तियों और निजी संस्थाओं द्वारा इन पवित्र नामों का व्यावसायिक इस्तेमाल करने के मामले सामने आ रहे थे। विशेष रूप से पश्चिम बंगाल के दीघा में बने एक नए मंदिर के लिए जगन्नाथ धाम शब्द के इस्तेमाल के बाद यह विवाद काफी गहरा गया था, जिसके बाद मंदिर प्रशासन ने ट्रेडमार्क संरक्षण की प्रक्रिया को और तेज कर दिया। मान्यता के अनुसार, जगन्नाथ धाम पुरी स्थित भगवान जगन्नाथ के मुख्य निवास स्थान को कहा जाता है, जिसे श्रीक्षेत्र या धरती का बैकुंठ भी माना गया है। वहीं, मंदिर की रसोई में तैयार होने वाले विशेष भोग को महाप्रसाद कहा जाता है। नीलचक्र मंदिर के शिखर पर स्थापित अष्टधातु का सुदर्शन चक्र है और कोइली बैकुंठ मंदिर परिसर का वह पवित्र उद्यान है, जहां नव कलेवर के दौरान पुराने विग्रहों का समाधि-विसर्जन किया जाता है। अब इन सभी नामों का बिना अनुमति व्यावसायिक प्रयोग दंडनीय अपराध होगा।

मंदिर प्रशासन ने जगन्नाथ संस्कृति से जुड़ी कुल 29 पहचानों और शब्दों के ट्रेडमार्क संरक्षण के लिए आवेदन किया था। इससे पहले पिछले महीने भी एसजेटीए को आनंद बाजार, पतितपावन और नीलचक्र के आधिकारिक लोगो के लिए ट्रेडमार्क पंजीकरण मिल चुका है। ट्रेड मार्क्स अधिनियम के तहत किए गए ये पंजीकरण पुरी मंदिर की समृद्ध विरासत, प्रामाणिकता और धार्मिक भावनाओं को सुरक्षित रखने में दूरगामी भूमिका निभाएंगे।

भारत ने पीएम रहमान को ब्रिक्स सम्मेलन का भेजा न्योता

-बांग्लादेश से संबंधों को पटरी पर लाने की पहल

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन के बाद से भारत और पड़ोसी मुल्क के बीच उपजे कूटनीतिक तनाव के बीच भारत ने दोस्ती का हाथ बढ़ाया है। भारत ने बांग्लादेश के नए प्रधानमंत्री तारिक रहमान को 12-13 सितंबर 2026 को नई दिल्ली में आयोजित होने वाले 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में शामिल होने का आधिकारिक निमंत्रण भेजा है। बांग्लादेश के ब्रिक्स का सदस्य देश न होने के बावजूद ढाका को आमंत्रित करना दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों को पुनः पटरी पर लाने की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है।

बांग्लादेश की विदेश राज्य मंत्री शमा ओबैद इस्लाम ने पुष्टि की है कि भारतीय पक्ष से प्राप्त निमंत्रण विदेश मंत्रालय को मिल चुका है, जिसे प्रधानमंत्री कार्यालय को भेज दिया गया है। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इससे पहले फरवरी में भी तारिक रहमान को भारत यात्रा का न्योता दिया था। हालांकि, पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के भारत में रहने के कारण बांग्लादेश की घरेलू राजनीति में किसी प्रतिकूल प्रतिक्रिया के डर से रहमान अब तक भारत यात्रा को लेकर सतर्क रुख अपनाए हुए हैं। पद संभालने के बाद वह अपनी पहली विदेश यात्रा पर परंपरा से हटकर भारत के बजाय चीन गए थे। बांग्लादेश लंबे समय से ब्रिक्स समूह का सदस्य बनने की महत्वाकांक्षा रखता है और इस दिशा में उसे चीन व रूस का समर्थन भी प्राप्त है। ऐसे में नई दिल्ली में होने वाला यह शिखर सम्मेलन ढाका के लिए कूटनीतिक दृष्टिकोण से बेहद खास माना जा रहा है। इस सम्मेलन में चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के भी शामिल होने की संभावना है। इससे पहले 2016 में भी जब भारत ने ब्रिक्स की मेजबानी की थी, तब बांग्लादेश को बिम्सटेक सदस्य के रूप में आमंत्रित किया गया था। हाल ही में मनीला में आसियान फोरम के दौरान भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर और बांग्लादेश के विदेश मंत्री खलीलुर रहमान के बीच भी संक्षिप्त मुलाकात हुई थी। भारत की इस वर्ष की ब्रिक्स अध्यक्षता बिल्डिंग फॉर रेजिलिएंस, इनोवेशन, कोऑपरेशन एंड सस्टेनेबिलिटी विषय पर केंद्रित है। इस बड़े मंच पर बांग्लादेश की भागीदारी से दक्षिण एशिया में क्षेत्रीय स्थिरता और व्यापारिक संबंधों को एक नई दिशा मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

प्रोटेस्ट के बीच सरकार के संकटमोचक कैसे बन गए नड्डा?

-वांगचुक का अनशन तुड़वाने में निभाई अहम भूमिका

नई दिल्ली (एजेंसी)। नीट पेपर लीक विवाद और विभिन्न संगठनों के बढ़ते विरोध-प्रदर्शनों के चलते केंद्र सरकार पर चौतरफा राजनीतिक दबाव बना हुआ है। सड़क से लेकर संसद तक जारी इस संग्राम के बीच केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता जेपी नड्डा सरकार के प्रमुख संकटमोचक बनकर उभरे हैं। जंतर-मंतर पर प्रदर्शनकारियों से बातचीत करने से लेकर घायल छात्रों से मुलाकात और गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल में सोनम वांगचुक से दो दौर की बातचीत तक, हर मोड़ पर उन्होंने अहम भूमिका निभाई है।

आंदोलन की शुरुआत से ही जेपी नड्डा ने सरकार की ओर से संवाद के रास्ते खोले रखे। 20 जुलाई को जब प्रदर्शन उग्र हुआ और प्रदर्शनकारियों ने संसद मार्च का ऐलान किया, तब उन्होंने तुरंत बैक-चैनल संवाद सक्रिय कर कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रतिनिधियों से मुलाकात की। उन्होंने प्रदर्शनकारियों को आश्वासन दिया कि उनकी मांगों को उचित मंच पर उठाया जाएगा। हिंसा के दौरान घायल हुए प्रदर्शनकारियों से मुलाकात कर उन्होंने उन्हें हर संभव चिकित्सा सहायता प्रदान करने का भरोसा दिया और संसद में भी स्पष्ट किया कि सरकार हर मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार है। गतिरोध को सुलझाने की दिशा में बड़ा मोड़ तब आया जब जेपी नड्डा आधी रात को मेदांता अस्पताल पहुंचे और 26 दिनों से अनशन पर बैठे सोनम वांगचुक से मुलाकात की। इस पहल के बाद वांगचुक ने सरकार के समक्ष अपनी मांगें रखीं। सरकार ने इन मांगों का सिलसिलेवार अध्ययन कर एक रूपरेखा तैयार की, जिसके बाद प्रधानमंत्री के बयान और जेपी नड्डा की सीधी मौजूदगी में सोनम वांगचुक ने अपना अनशन समाप्त कर दिया। सोनम वांगचुक का अनशन तुड़वाकर जेपी नड्डा ने इस संकट को टालने की दिशा में पहली बड़ी सफलता हासिल कर ली है। हालांकि, केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग पर प्रदर्शनकारियों को क्या आश्वासन मिला है, यह सवाल अभी भी बना हुआ है। अब उनकी अगली बड़ी चुनौती जंतर-मंतर पर चल रहे विरोध-प्रदर्शन को पूरी तरह से समाप्त कराने की होगी।

संक्षिप्त समाचार

ऑस्ट्रेलियाई मां ने एक साथ चार जुड़वा बच्चियों को जन्म दिया

केनबरा, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया की 34 वर्षीय जेनिथार सौ नाअमोआना ने क्वींसलैंड के रॉयल ब्रिस्बेन एंड विमेंस हॉस्पिटल में एक साथ चार समान जुड़वा बच्चियों को जन्म दिया है। यह एक अत्यंत दुर्लभ प्राकृतिक गर्भावस्था थी, जिसमें एक ही निषेचित अंडाणु चार भागों में विभाजित हो गया। विशेषज्ञों के अनुसार स्वाभाविक रूप से ऐसी स्थिति बनने की संभावना 1.5 करोड़ में से 1 होती है और ऑस्ट्रेलिया में ऐसा पहली बार हुआ है। महिला के पहले से चार बच्चे हैं। डॉक्टरों की देखरेख में 14 जुलाई को सिजेरियन डिलीवरी के जरिये बच्चियों का जन्म हुआ।

चीनी रक्षा अताशे ने 12 नागरिकों को बचाने के लिए भारतीय सेना का जताया आभार

बीजिंग, एजेंसी। भारत में चीन के नए रक्षा अताशे रियर एडमिरल यू जियान ने मंगलवार को चीनी सेना (पीएलए) की 99वीं वर्षगांठ पर आयोजित समारोह में भारतीय सेना का आभार व्यक्त किया। उन्होंने पिछले साल जून में केरल तट के पास विस्फोट के बाद मालवाहक जहाज से 12 चीनी क्रू सदस्यों को सुरक्षित बचाने के लिए भारतीय सेना को धन्यवाद दिया। उन्होंने दोनों देशों के बीच सैन्य जुड़ाव, संचार और सहयोग बढ़ाने का आह्वान किया। जियान ने कहा कि चीन और भारत महत्वपूर्ण पड़ोसी हैं। दोनों देशों के साझा हित उनके मतभेदों से कहीं अधिक बड़े हैं।

उत्तर–पश्चिम क्षेत्र में पाकिस्तान के सुरक्षा बलों ने 4 तालिबानी लड़ाकों को मार गिराया

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के मोहमंद जिले में बुधवार को सुरक्षा बलों ने एक खुफिया–आधारित अभियान के दौरान तहरीक–ए–तालिबान के चार आतंकवादियों को ढेर कर दिया। पुलिस के अनुसार, इलाके में उग्रवादियों की मौजूदगी की सटीक जानकारी मिलने के बाद यह कार्रवाई शुरू की गई थी। सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच लगभग एक घंटे से अधिक समय तक रुक–रुक कर गोलीबारी जारी रही। मुठभेड़ के बाद सुरक्षा बलों ने पूरे क्षेत्र की घेराबंदी कर दी है और इलाके में छिपे अन्य आतंकवादियों का सफाया करने के लिए तलाशी अभियान चलाया जा रहा है।

भारत से पहली सीधी मालगाड़ी पहुंची नेपाल, द्विपक्षीय व्यापार को मिलेगी रफ्तार

काठमांडू, एजेंसी। भारत–नेपाल व्यापार के लिए ऐतिहासिक कदम के तहत कैनोला दानों से लदी मालगाड़ी पहली बार 20 जुलाई को कोलकाता पोर्ट से विराटनगर स्थित नेपाल कस्टम्स यार्ड पहुंची। 40 वैगन वाली यह मालगाड़ी जोगबनी स्थित भारतीय सीमा शुल्क यार्ड के रास्ते पहुंची। नवंबर 2025 में संशोधित भारत–नेपाल पारगमन संधि के बाद इस रेल गलियारे का यह पहला व्यावसायिक उपयोग है। ज्ञात हो कि जोगबनी–विराटनगर ब्रॉडगेज रेल लिंक का उद्घाटन 1 जून 2023 को पीएम नरेंद्र मोदी और तत्कालीन नेपाली पीएम पुष्प कमल दहल प्रचंड ने किया था। भारत से सहायता प्राप्त इस परियोजना से रसद लागत घटेगी और कोलकाता व विशाखापत्तनम बंदरगाहों से माल सीधे नेपाल पहुंचेगा।

नाइजीरिया में स्वच्छ पानी और स्वास्थ्य सेवाओं के अभाव में हैजा का प्रकोप, बोर्नी राज्य में 200 लोगों की मौत

वाशिंगटन, एजेंसी। स्वच्छ पानी और पर्याप्त सफाई व स्वास्थ्य सेवाओं के अभाव में नाइजीरिया के पूर्वोत्तर राज्य बोर्नी में पिछले दो महीनों में हैजा के प्रकोप में लगभग 200 लोगों की मौत हो चुकी है। यह जानकारी एक अंतरराष्ट्रीय चिकित्सा मानवीय संगठन डॉक्टर्स विदाउट बॉर्डर्स (जिसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मेडिसिन्स सैन्स फ्रंटियर्स–एमएसएफ भी कहते हैं) ने दी है। बुधवार को स्थानीय समयानुसार जारी एक बयान में एमएसएफ ने बीमारी के बढ़ते प्रकोप पर चिंता व्यक्त की और चेतावनी दी कि चल रहे राहत प्रयासों के बावजूद यह बीमारी स्थानीय स्वास्थ्य सुविधाओं पर भारी पड़ सकती है। एमएसएफ ने बोर्नी राज्य सरकार द्वारा जारी आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि 12 जुलाई तक राज्य में कम से कम 198 लोगों की मौत हो चुकी थी और 35,500 से अधिक संदिग्ध मामले सामने आए थे। संगठन ने बताया कि सरकारी स्वास्थ्य अधिकारियों और मानवीय सहायता भागीदारों के साथ मिलकर काम करते हुए उसने 12 जुलाई तक हैजा के संदिग्ध 24,000 से अधिक रोगियों का इलाज किया है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, संगठन ने प्रभावित समुदायों में स्वच्छ पानी, स्वच्छता और स्वास्थ्य सेवाओं की अपर्याप्त उपलब्धता को बीमारी के लगातार फैलने का कारण बताया। अप्रैल में नाइजीरिया के रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र ने भारी बारिश और बाढ़ से जुड़े हैजा के प्रकोप के खतरे को देखते हुए 10 राज्यों को उच्च सतर्कता पर रखा था।

फ्रांस में कीटनाशक पर बैन हटा, पर्यावरण मंत्री का इस्तीफा

कहा– मधुमक्खियों की जान बचाना जरूरी, सरकार बोली– किसानों को बचाना ज्यादा जरूरी

पेरिस, एजेंसी। फ्रांस की पर्यावरण मंत्री मोनिक बारबू ने इस्तीफा देने का ऐलान किया है। उन्होंने यह फैसला विवादित कृषि बिल के विरोध में लिया है, जिसमें दो प्रतिबंधित कीटनाशकों के इस्तेमाल की मंजूरी दी गई है। एसोसिएटेड प्रेस के मुताबिक वैज्ञानिकों का कहना है कि ये कीटनाशक मधुमक्खियों और दूसरे परागण करने वाले कीड़ों के लिए नुकसानदायक हैं। पर्यावरण मंत्री बनीं बारबू आज राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों को अपना इस्तीफा सौंपेंगी। फ्रांस की संसद ने मंगलवार को यह बिल पेश किया था। सीनेट ने 214-111 मतों से विधेयक पारित कर दिया। सरकार ने दावा किया कि ये कानून किसानों की मदद के लिए लाया जा रहा है। उसका कहना है कि किसानों को घटती कमाई और खेती की बढ़ती लागत जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।

बिल के दो प्रावधानों से सबसे ज्यादा विवाद : 1. कीटनाशकों की मंजूरीः प्रतिबंधित कीटनाशकों एसेटामिप्रिड और फ्लुपाइराडीफ्यूरोन के इस्तेमाल की अस्थायी मंजूरी देना। इसका इस्तेमाल चुकंदर, सेब और चेरी की खेती में किया जा सकेगा।

नुकसान– पर्यावरणविदों का कहना है कि इससे मधुमक्खियों की संख्या तेजी से घटेगी जिससे परागण पर असर पड़ेगा। इससे किसानों की पैदावार और आय पर उल्टा असर पड़ेगा।

2. पानी जमा करने की इजाजतः किसानों को सिंचाई के लिए बड़े जलाशय या कृत्रिम तालाब बनाने की अनुमति आसानी से मिले।

नुकसान– पर्यावरणविदों का कहना है कि ये जलाशय भूजल और नदियों से बड़ी मात्रा में पानी भरते हैं। इससे गर्मियों में नदियों और भूजल का स्तर घट सकता है जिससे पारिस्थितिक तंत्र पर असर पड़ेगा।

आखिरी समय में जोड़े गए दोनों प्रावधान : इन्हीं प्रावधानों को लेकर पर्यावरणविदों और सरकार के भीतर भी विरोध बढ़ गया। इसके विरोध में पर्यावरण मंत्री मोनिक बारबू ने पद छोड़ने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि वह कीटनाशक और पानी के भंडारण से जुड़े दोनों प्रस्तावों के खिलाफ थीं। ये दोनों प्रावधान विधेयक में आखिरी समय में जोड़े गए थे, ताकि रूढ़िवादी बहुमत वाली सीनेट से इसे पारित कराया जा सके। बारबू ने आरोप लगाया कि सरकार ने उनसे किए गए वादे के विपरीत इस प्रावधान को हटाने पर कोई चर्चा ही नहीं होने दी। बारबू ने सोशल मीडिया पर लिखा, पिछले नौ महीनों में मैंने जंगलों, साफ पानी, स्वच्छ हवा, उपजाऊ मिट्टी और जैव विविधता की रक्षा के लिए काम किया। लेकिन विरोधी ताकतें इतनी मजबूत हो गई हैं कि मैं अपने मकसद पूरे नहीं कर पा रही। राजनीति मेरी दुनिया नहीं है और अगर राजनीति ऐसी ही होती है, तो यह कभी मेरी दुनिया नहीं बन सकती।

कीटनाशकों की मंजूरी के पीछे सरकार का तर्क : सरकार का कहना है कि नए प्रावधान लाने का फैसला उन किसानों की मदद के लिए लिया गया है, जो मुश्किल दौर से गुजर रहे हैं। किसानों की लागत बढ़ने और कमाई घटने से खेती करना मुश्किल हो गया है। सरकार के मुताबिक अगर कीटनाशकों के सीमित इस्तेमाल की अनुमति नहीं दी गई, तो फ्रांस के किसान यूरोप के दूसरे देशों के किसानों से प्रतिस्पर्धा नहीं कर पाएंगे। क्योंकि कई यूरोपीय देशों में इन कीटनाशकों के इस्तेमाल की अनुमति पहले से है। फ्रांस की कृषि मंत्री एनी जेनेवार्ड ने बारबू के विरोध पर नाराजगी भी जताई। उन्होंने कहा, 'अगर यह कानून विरोध या राजनीतिक कारणों से पास नहीं होता, तो पहले से मुश्किलों का सामना कर रहे किसान और ज्यादा संकट में आ जाते।'

पहले भी विवाद में रहा है यह कीटनाशक : एसेटामिप्रिड और फ्लुपाइराडीफ्यूरोन रसायन नियोनिकोटिनॉइड नाम के कीटनाशकों के समूह में आते हैं। यूरोपीय संघ के नियमों के तहत इनका इस्तेमाल कुछ शर्तों के साथ किया जा सकता है, लेकिन फ्रांस में इन पर फिलहाल प्रतिबंध है। एसेटामिप्रिड पर फ्रांस ने 2018 में प्रतिबंध लगाया था, क्योंकि इसे मधुमक्खियों और दूसरे परागण करने वाले कीड़ों के लिए हानिकारक माना गया था।

एक साल पहले भी इस रसायन पर बैन हटाने की कोशिशें हुई थीं लेकिन फ्रांस की सुप्रीम कोर्ट ने इससे इनकार कर दिया था। कोर्ट ने कहा था कि इससे मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण पर खतरा पैदा हो सकता है। इस प्रस्ताव के खिलाफ 20 लाख से ज्यादा लोगों ने हस्ताक्षर कर विरोध जताया था।

पाकिस्तान में पेट्रोल पंप मालिकों ने किया हड़ताल का ऐलान; जनता की बढ़ी मुश्किलें

इस्लामाबाद, एजेंसी। आर्थिक तंगहाली से जूझ रहे पाकिस्तान में अब आम जनता के लिए पेट्रोल और डीजल की एक-एक बूंद मिलना मुश्किल हो सकता है। पाकिस्तान सरकार ने पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतों को लेकर एक ऐसा फैसला किया है, जिसने देश भर के पेट्रोल पंप मालिकों को नाराज कर दिया है। तेल और गैस नियामक प्राधिकरण ने घोषणा की है कि अब पेट्रोल और डीजल की कीमतें हर सात दिन के बजाय रोजाना आधार पर तय की जाएंगी। सरकार के इस कदम के खिलाफ पेट्रोल पंप मालिकों ने मोर्चा खोलते हुए अनिश्चितकालीन हड़ताल और धरने पर जाने का ऐलान कर दिया है।

पेट्रोलियम मामलों के संघीय मंत्री अली परवेज मलिक ने जानकारी दी है कि प्रधानमंत्री और मंत्रिमंडल की मंजूरी के बाद अब ओ जी आर ए हर दिन तेल की कीमतें निर्धारित करेगा। इन नई कीमतों को रोजाना प्राधिकरण की वेबसाइट पर सार्वजनिक किया जाएगा। आंकड़ों के मुताबिक, 22 जुलाई को पाकिस्तान में पेट्रोल की कीमत 320.73 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत 367.21 रुपये प्रति लीटर दर्ज की गई है। ईरान-अमेरिका तनाव का पड़ा सीधा असर पाकिस्तान सरकार ने इस नीतिगत बदलाव के पीछे अंतरराष्ट्रीय स्थितियों को जिम्मेदार ठहराया है। संघीय मंत्री अली परवेज मलिक के अनुसार, पिछले कुछ समय से ईरान और अमेरिका के बीच जारी सैन्य तनाव के कारण वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में भारी उछाल आया है। इसी अनिश्चितता को देखते हुए सरकार ने दैनिक आधार पर कीमतें जारी करने का फैसला लिया है, ताकि बाजार में उतार-चढ़ाव का सही आकलन हो सके। जनता पर पड़ेगा तत्काल प्रभाव सरकार का बताया कि इस फैसले से पेट्रोलियम उत्पादों के मूल्य निर्धारण में पारदर्शिता आएगी। सूचना मंत्री अट्टा तारार के अनुसार, पहले वैश्विक बाजार में कीमतों में होने वाली गिरावट का फायदा जनता तक पहुंचने में एक हफ्ते का समय लगता था। अब यदि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमतें कम होती हैं, तो उसका लाभ तुरंत उपभोक्ताओं को मिल सकेगा। हालांकि, सरकार ने यह भी कहा है कि इस व्यवस्था को लागू करना चुनौतीपूर्ण होगा क्योंकि कीमतों में वृद्धि का प्रभाव भी जनता पर तत्काल पड़ेगा।

भारत के सामने झुके नेपाल के प्रधानमंत्री ! बालेन शाह ने भारतीय राजदूत को मिलने के लिए बुलाया

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह ने सत्ता संभालने के कुछ ही महीनों बाद अपनी विदेश नीति में बड़ा बदलाव करने का फैसला किया है। प्रधानमंत्री बनने के बाद उन्होंने विदेशी राजनयिकों से अकेले मुलाकात नहीं करने का नियम बनाया था। अब खबर है कि वह इसी सप्ताह भारत और चीन के राजदूतों से अलग-अलग मुलाकात करेंगे। इसे उनकी विदेश नीति में बड़े बदलाव के रूप में देखा जा रहा है।

प्रधानमंत्री बालेन शाह के कार्यकाल को 100 दिन से थोड़ा अधिक समय हुआ है। इस दौरान उन्हें दो बड़े जनविरोधों का सामना करना पड़ा। पहला विरोध भारत-नेपाल सीमा पर कस्टम ड्यूटी लागू करने को लेकर हुआ, जबकि दूसरा विरोध एक राइड-शेयर चालक की पुलिस कार्रवाई के खिलाफ आत्मदाह की घटना के बाद भड़का। घरेलू चुनौतियों के बीच अब उन्होंने विदेश नीति में भी नरमी दिखाई है। रिपोर्टों के अनुसार, बालेन शाह इस सप्ताह भारत के राजदूत नवीन श्रीवास्तव और चीन के राजदूत झांग माओमिंग से अलग-अलग मुलाकात करेंगे। माना जा रहा है कि वह दोनों पड़ोसी देशों के साथ संतुलित संबंध बनाए रखने का संदेश देना चाहते हैं। इसी वजह से दोनों मुलाकातें एक ही दिन करने की तैयारी की जा रही है।

प्रधानमंत्री बनने के बाद बालेन शाह ने कहा था कि वह किसी भी विदेशी राजनयिक से अकेले मुलाकात नहीं करेंगे। इसी नीति के तहत उन्होंने भारत के विदेश सचिव विक्रम मिस्री, चीन के उप वाणिज्य मंत्री और अमेरिका के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ अलग बैठक करने से इनकार कर दिया था। इसके बजाय उन्होंने सभी विदेशी राजदूतों के साथ केवल सामूहिक बैठक की थी। बालेन शाह की इस नई व्यवस्था की नेपाल के कूटनीतिक हलकों और मीडिया में काफी आलोचना हुई। कई पूर्व अधिकारियों और विदेश नीति विशेषज्ञों ने इसे स्थापित कूटनीतिक परंपराओं के खिलाफ बताया। वरिष्ठ पत्रकार केशव प्रधान ने कहा था कि भारत के विदेश सचिव और भारतीय राजदूत से अलग मुलाकात से इनकार करना नेपाल के इतिहास में पहले कभी नहीं देखा गया। अब बालेन शाह का बदला रुख बताता है कि सरकार अपनी विदेश नीति में व्यावहारिक रास्ता अपनाने की कोशिश कर रही है।

पाकिस्तान के कराची में एचआईवी का प्रकोप, 6 मासूमों की मौत, 94 बच्चे संक्रमित, दहशत में सिंध प्रांत

कराची, एजेंसी। पाकिस्तान का सबसे बड़ा शहर कराची इस समय एक गंभीर स्वास्थ्य संकट की चपेट में है। शहर के एक सरकारी अस्पताल में एचआईवी का भयानक प्रकोप सामने आया है। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, पिछले साल नवंबर से अब तक इस जानलेवा वायरस के संक्रमण की वजह से 6 मासूम बच्चों की मौत हो चुकी है, जबकि कुल 94 बच्चे संक्रमित पाए गए हैं।

नवंबर 2025 से शुरू हुआ मौतों का सिलसिला : सिंध प्रांत के स्वास्थ्य सचिव ताहिर हुसैन सांगी ने मामले की पुष्टि करते हुए बताया कि संक्रमण का यह सिलसिला नवंबर 2025 में कराची के कुलसूम बाई वालिका अस्पताल से शुरू हुआ था। यह अस्पताल 'सिंध एम्प्लॉइज सोशल सिक्योरिटी इंस्टीट्यूशन' द्वारा संचालित किया जाता है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा की गई आंतरिक जांच में यह खुलासा हुआ है कि अस्पताल का रिकॉर्ड संक्रमण की भयावहता की पुष्टि करता है। रिपोर्ट के अनुसार, केवल इस महीने में ही 16 नए मामले सामने आए हैं, जिसके बाद संक्रमित बच्चों की कुल संख्या बढ़कर 94 हो गई है।

आसपास के इलाकों में फैला संक्रमण : अस्पताल में बच्चों के संक्रमित होने की खबर मिलते ही सिंध स्वास्थ्य विभाग ने सक्रियता दिखाते हुए आसपास के इलाकों में बड़े पैमाने पर टेस्टिंग शुरू कर दी है। स्वास्थ्य सचिव के अनुसार, अस्पताल के निकटवर्ती क्षेत्रों में रहने वाले लगभग 10,000 लोगों का परीक्षण किया गया, जिनमें से 120 लोग एचआईवी पॉजिटिव पाए गए हैं। इन संक्रमितों में बच्चे और वयस्क दोनों शामिल हैं। प्रशासन अब यह पता लगाने की कोशिश कर रहा है कि संक्रमण का प्राथमिक स्रोत क्या है और यह इतनी तेजी से आबादी के बीच कैसे फैला।

पाकिस्तान में कैसे फैला एचआईवी : पाकिस्तान में HIV फैलने का यह कोई पहला मामला नहीं है। इसी साल अप्रैल में भी एक चौंकाने वाली रिपोर्ट सामने आई थी, जिसमें एक ही सिरिंज को कई मरीजों पर इस्तेमाल करने के कारण 331 बच्चों में संक्रमण फैल गया था। जांच के दौरान अस्पताल कर्मियों द्वारा बिना स्टेराइल दस्ताने पहने इंजेक्शन लगाने और मल्टी-डोज वायल्स के साथ सिरिंज का पुनः उपयोग करने की तस्वीरें भी सामने आई थीं। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि कराची के इस मामले के पीछे भी चिकित्सकीय लापरवाही और संक्रमित सुइयों का उपयोग एक बड़ी वजह हो सकता है। बढ़ते दबाव के बीच, सिंध सरकार ने सभी संक्रमित मरीजों के जीवन भर चलने वाले इलाज का खर्च उठाने का फैसला किया है। स्वास्थ्य विभाग ने नामी डॉक्टरों की एक विशेष समिति का गठन किया है।

ईरान पर 12वीं रात भी बरसे अमेरिकी बम, सिरिक में जोरदार धमाके; ट्रंप ने बातचीत से किया साफ इनकार

तेहरान, एजेंसी। पश्चिम एशिया में तनाव अब एक खतरनाक मोड़ पर पहुंच चुका है। अमेरिकी सेना ने बुधवार को लगातार 12वीं रात ईरान के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए कई सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया है। इन हमलों से दक्षिणी ईरान का सिरिक क्षेत्र दहल उठा है, जहां देर रात भीषण धमाकों की आवाजें सुनी गईं। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने पुष्टि की है कि यह सैन्य कार्रवाई राष्ट्रपति और कमांडर-इन-चीफ के सीधे आदेश पर की गई है।

अमेरिकी सेंट्रल कमांड के अनुसार, यह हवाई हमले बुधवार शाम करीब 5:30 बजे (ईस्टर्न टाइम) शुरू किए गए। इस सैन्य ऑपरेशन का प्राथमिक उद्देश्य ईरान की उन क्षमताओं को नष्ट करना है, जिनसे वह अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में वाणिज्यिक जहाजों और आम नाविकों के लिए खतरा पैदा कर रहा है। सूत्रों के मुताबिक, अमेरिकी वायुसेना ने मुख्य रूप से ईरान के एयरक्राफ्ट हैंगर, ड्रोन स्टोरेज सेंटर, सैन्य ऑपरेशन्स मुख्यालय और समुद्री रसद बुनियादी ढांचे को निशाना बनाकर भारी क्षति पहुंचाई है।

होर्मुज स्ट्रेट में बढ़ता तनाव : अमेरिका का दावा है कि ये हमले ईरान को जवाब देने के लिए जरूरी थे। गौरतलब है कि मंगलवार को ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट में एक तेल टैंकर को निशाना बनाया था, जिसके बाद स्थिति और बिगड़ गई। इस जंग की तपिश अब पड़ोसी देशों तक भी पहुंच रही है। बहरीन और कुवैत जैसे देशों में मिसाइल हमलों की आशंका के चलते सायरन बजाकर अलर्ट जारी किया गया है। सैन्य विशेषज्ञों का मानना है कि यदि यह सिलसिला नहीं थमा, तो वैश्विक अर्थव्यवस्था और कच्चे तेल की सप्लाई चैन पर इसका विनाशकारी असर पड़ सकता है।

ट्रंप का कड़ा रुख : इधर, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने साफ कर दिया है कि फिलहाल उनकी ईरान के साथ किसी भी तरह की बातचीत में कोई रुचि नहीं है। ट्रंप के हालिया बयानों ने दुनिया की चिंता और बढ़ा दी है, क्योंकि उन्होंने संकेत दिया है कि अमेरिकी सेना जल्द ही ईरान के उन क्षेत्रों को भी निशाना बना सकती है जो परमाणु संवर्धन केंद्रों के करीब हैं। अमेरिका का स्पष्ट कहना है कि जब तक ईरान होर्मुज स्ट्रेट में जहाजों के लिए खतरा बना रहेगा, तब तक यह मिशन जारी रहेगा।

ईरान की ओर से भी जवाबी कार्रवाई की धमकियां : ईरान भी जवाबी कार्रवाई की धमकियां दे रहा है, जिससे पूरे क्षेत्र में पूर्ण युद्ध जैसी स्थिति बनी हुई है। अंतरराष्ट्रीय समुदाय इस समय शांति की अपील कर रहा है, लेकिन व्हाइट हाउस के तेवरों से लगता है कि अमेरिका ईरान की सैन्य शक्ति को पूरी तरह पंगु बनाने के मूड में है।

अमेरिका: एरिजोना में डेमोक्रेटिक पार्टी के प्राइमरी चुनाव में भारतवंशी अमीश शाह जीते, अब किससे होगा मुकाबला?

फिनिक्स (एरिजोना), एजेंसी। भारतीय मूल के अमीश शाह ने बुधवार को एरिजोना के एक अहम कांग्रेस (संसद) क्षेत्र में डेमोक्रेटिक पार्टी के प्राइमरी चुनाव में जीत हासिल की है। यह काफी कड़ा मुकाबला था। शाह की जीत से डेमोक्रेटिक कांग्रेसनल कैंपेन कमेटी (डीसीसीसी) को झटका लगा है, क्योंकि उसने शाह के प्रतिद्वंद्वी उम्मीदवार का समर्थन किया था। यह नतीजा ऐसे समय आया है, जब ज्यादा से ज्यादा मतदाता वाशिंगटन में पार्टी नेताओं की पसंद को खारिज कर रहे हैं।

आपातकालीन चिकित्सक अमीश शाह अब आम चुनाव में रिपब्लिकन उम्मीदवार जे फीली का सामना करेंगे। फीली नेशनल फुटबॉल लीग (एनएफएल) के पूर्व खिलाड़ी हैं और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने प्राइमरी चुनाव में उनका समर्थन किया था। राजनीति में विरोधी बनने से पहले फीली और शाह एक ही टीम न्यूयॉर्क जेट्स का हिस्सा थे। शाह टीम के किनारे तैनात डॉक्टर थे, जबकि फीली टीम के किकर थे। डीसीसीसी ने मार्लीन गैलन-वूड्स का समर्थन किया था। वह पहले रिपब्लिकन पार्टी में थीं और ट्रंप के पहले कार्यकाल की शुरुआत में डेमोक्रेटिक पार्टी में शामिल हो गई थीं। पहले कांग्रेस क्षेत्र के लिए यह मुकाबला काफी अहम माना जा रहा था। इस क्षेत्र में उत्तर-पूर्वी फीनिक्स, स्कॉट्सडेल, फाउंटेन हिल्स और पैराडाइज वैली जैसे समृद्ध इलाके शामिल हैं। माना जा रहा है कि अमेरिकी प्रतिनिधि सभा में किस पार्टी का नियंत्रण रहेगा, इसे तय करने में यह चुनाव भूमिका निभा सकता है। हालांकि, इस क्षेत्र में रिपब्लिकन मतदाता ज्यादा हैं, लेकिन पिछले एक दशक में यहां के लोगों की राजनीतिक सोच कुछ हद तक बदली है। यह सीट खाली हुई है क्योंकि रिपब्लिकन सांसद डेविड श्वाइकर्ट ने गवर्नर पद के लिए चुनाव लड़ा था। लेकिन मंगलवार को रिपब्लिकन प्राइमरी में वह एंडी बिग्स से हार गए। डीसीसीसी के गैलन-वूड्स को समर्थन देने के फैसले से स्थानीय डेमोक्रेट्स हैरान थे। इसकी वजह यह थी कि गैलन-वूड्स और शाह की राजनीतिक सोच में ज्यादा अंतर नहीं था। दोनों ही बीच की राजनीतिक सोच रखने वाले उम्मीदवार हैं। यह चुनाव डेमोक्रेटिक पार्टी में बढ़ते प्रगतिशील और मध्यमार्गी नेताओं के बीच विवाद का हिस्सा भी नहीं था। यह मुकाबला कुछ हद तक 2024 के चुनाव जैसा था। उस समय शाह ने कई उम्मीदवारों के बीच हुए प्राइमरी मुकाबले में मामूली अंतर से जीत हासिल की थी। उस चुनाव में गैलन-वूड्स भी शामिल थीं। हालांकि, आम चुनाव में शाह हार गए थे। उस साल डीसीसीसी ने प्राइमरी में किसी उम्मीदवार का समर्थन नहीं किया था।

केन्या में बड़ा हादसा, भारी बारिश से सोने की खदान ढहने से 5 खनिकों की दर्दनाक मौत

नैरोबी, एजेंसी। दक्षिण-पश्चिमी केन्या के नारोक काउंटी से एक बहुत ही दुखद और भयानक खबर सामने आई है। यहां भारी बारिश के कारण एक सोने की खदान की सुरंग अचानक ढह गई है। इस खदान हादसे में कम से कम पांच खनिकों की दर्दनाक मौत हो गई है। प्रशासन और बचाव दल मौके पर पहुंचकर राहत कार्य में पूरी तरह से जुटे हुए हैं।

नारोक काउंटी के पुलिस कमांडर पैट्रिक लोबोलिया ने इस भयानक घटना और मौतों की आधिकारिक पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि इस ढही हुई सुरंग के अंदर अभी भी कई खनिकों के फंसे होने की भारी आशंका है। बचाव दल उन सभी लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने की अपनी पूरी कोशिश कर रहे हैं। अभी तक कई घायल खनिकों को बचाकर पास के स्वास्थ्य केंद्रों में इलाज के लिए भेजा गया है।

राहत और बचाव में आ रही मुश्किल : पुलिस कमांडर लोबोरिया ने बताया कि किलिमापेसा इलाके में तलाशी और बचाव का काम लगातार चल रहा है। लेकिन विशेष खनन उपकरणों और अंडरग्राउंड कैमरों की कमी के कारण इस काम में काफी परेशानी आ रही है। इन जरूरी मशीनों के अभाव में खदान के अंदर चल रहा बचाव अभियान बहुत धीमी गति से आगे बढ़ रहा है। फिर भी बचाव दल अपनी पूरी ताकत और हिम्मत के साथ फंसे हुए लोगों को निकालने का प्रयास कर रहे हैं।

किलिमापेसा की व्यावसायिक खदान : यह भीषण हादसा नारोक शहर से लगभग 180 किलोमीटर दक्षिण में स्थित किलिमापेसा इलाके में हुआ है। किलिमापेसा में ही पूरे केन्या देश की सबसे बड़ी और प्रमुख व्यावसायिक सोने की खदान मौजूद है। यह दर्दनाक घटना देश के सोना खनन क्षेत्र में खनिकों की सुरक्षा को लेकर कई गंभीर सवाल खड़े करती है। पिछले कुछ वर्षों में भी केन्या की खदानों में हुए कई बड़े हादसों में बहुत से लोगों की जान जा चुकी है।

घायलों का अस्पताल में चल रहा इलाज : अधिकारियों के मुताबिक खदान ढहने की इस भयानक घटना के तुरंत बाद आपातकालीन सेवाएं मौके पर पहुंच गई थीं। मलबे से सुरक्षित निकाले गए कई घायल खनिकों को प्राथमिक उपचार के बाद तुरंत अस्पताल भेजा गया है। पास के स्वास्थ्य केंद्रों में इन सभी घायलों का बहुत ही बारीकी से इलाज किया जा रहा है। स्थानीय प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग की टीमें घायलों की स्थिति पर लगातार अपनी पैनी नजर बनाए हुए हैं।

सुरक्षा नियमों को सख्ती से लागू करने की मांग : लगातार हो रही इन खदान दुर्घटनाओं के बाद स्थानीय लोगों में सरकार के खिलाफ काफी ज्यादा गुस्सा है। खनन क्षेत्र से जुड़े कई संगठनों ने सरकार से सुरक्षा नियमों को बहुत सख्ती से लागू करने की मांग की है। संगठनों का कहना है कि खदानों में काम करने वालों के लिए बेहतर सुरक्षा मानक तय होने चाहिए। बिना सख्त नियमों के चल रहे इस खनन कार्य से निर्दोष और गरीब मजदूरों की जान बार-बार खतरे में पड़ रही है। केन्या में हजारों छोटे स्तर के खनिकों और मजदूरों के लिए यह सोने का खनन ही रोजी-रोटी का बड़ा जरिया है। सोना मिलने वाले इन इलाकों में कई जगहों पर बिना किसी नियम के अवैध और असुरक्षित खनन हो रहा है।

श्री जगन्नाथ महाप्रभु मौसी घर से रथ यात्रा के साथ लौटे अपने मंदिर, हजारों श्रद्धालु हुए शामिल

फरीदाबाद। श्री जगन्नाथ सांस्कृतिक केन्द्र, सेक्टर-15ए द्वारा भगवान श्री जगन्नाथ महाप्रभु की भव्य वापसी रथ यात्रा का आयोजन श्रद्धा और उत्साह के साथ किया गया। मौसी के घर दस दिन प्रवास के बाद भगवान श्री जगन्नाथ महाप्रभु अपने मंदिर के लिए विशाल रथ यात्रा के साथ रवाना हुए। इस धार्मिक आयोजन में हजारों श्रद्धालुओं ने भाग लेकर भगवान के दर्शन किए और रथ यात्रा में शामिल होकर भक्ति का अद्भुत वातावरण बनाया। खुशबूदार फूलों से सजे भव्य रथ को श्रद्धालुओं ने जयघोष और भजन-कीर्तन के बीच मंदिर प्रांगण तक पहुंचाया। रथ यात्रा का विभिन्न स्थानों पर श्रद्धालुओं और सामाजिक संगठनों ने पुष्पवर्षा कर भव्य स्वागत किया। पूरे मार्ग में भक्तों की भारी भीड़ रही और वातावरण 'जय जगन्नाथ' के उद्घोष से गूंजता रहा। यात्रा के दौरान सुरक्षा के व्यापक प्रबंध किए गए। पुलिस प्रशासन की निगरानी में पूरी रथ यात्रा शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। इस अवसर पर श्री जगन्नाथ सांस्कृतिक केन्द्र के प्रधान नित्यानंद राऊत, महासचिव अनिल साहु, सुभाष नायक, सुधांशु शेखर जेना, गौतम चंदेल, मनोज ढल, प्रदीप्ता बिस्वाल, बिबेक प्रधान, गंगाधर, संजय प्रधान, धनेश्वर प्रधान, पुरुषोत्तम राऊत, पुरुषोत्तम प्रधान, रोहित, दर्पण, कृपासिंधु, प्राण बिहेरा, प्रदीप नायक, रंजीत साबू, दिलीप जेना सहित अनेक पदाधिकारी एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे। प्रधान नित्यानंद राऊत एवं महासचिव अनिल साहु ने सभी श्रद्धालुओं को रथ यात्रा की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भगवान श्री जगन्नाथ महाप्रभु सभी के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली का संचार करें तथा प्रत्येक परिवार पर अपनी कृपा बनाए रखें।

पृथला क्षेत्र की बदहाल सड़कों और जलभराव पर गरजे विधायक रघुबीर तेवतिया

फरीदाबाद की आवाज

फरीदाबाद। पृथला विधानसभा क्षेत्र के कांग्रेस विधायक चौधरी रघुबीर तेवतिया ने शुक्रवार को पलवल जिला सचिवालय में आयोजित जिला ग्रीवेंस कमेटी की बैठक में उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह की मौजूदगी में पृथला क्षेत्र की बदहाल सड़कों, जलभराव, रोडवेज बसों की समस्या, अधूरे विकास कार्यों और निर्माण कार्यों में भ्रष्टाचार जैसे अहम मुद्दों को पूरी मजबूती से उठाया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर भी तीखे सवाल खड़े किए और कहा कि विधानसभा से लेकर पूर्व की ग्रीवेंस कमेटी बैठकों तक बार-बार मुद्दे उठाने के बावजूद संबंधित अधिकारी गंभीरता नहीं दिखा रहे हैं। विधायक तेवतिया ने कहा कि भाजपा सरकार सबका साथ, सबका विकास का दावा करती है, लेकिन पृथला विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्यों की स्थिति इस दावे की वास्तविकता उजागर कर रही है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के साथ लगातार सौतेला व्यवहार किया जा रहा है, जिसके कारण जनता मूलभूत सुविधाओं के लिए भी परेशान है। बैठक में उन्होंने पलवल रेलवे पुल से

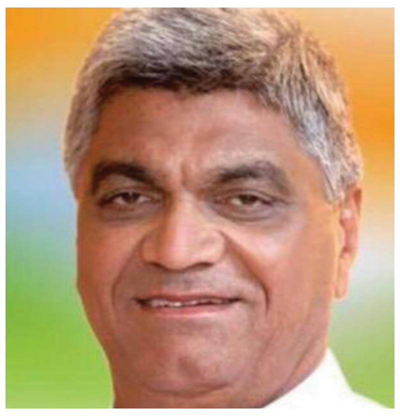

अलावलपुर तक जर्जर सड़क, अलावलपुर में लगातार जलभराव तथा सड़क के दोनों ओर चौड़ी नालियां बनाने की आवश्यकता को प्रमुखता से उठाया। इसके साथ ही अलावलपुर-सदरपुर-बढ़राम-गोपीखेड़ा-चिरवाड़ी मार्गों के पुनर्निर्माण और जल निकासी व्यवस्था को दुरुस्त करने की मांग रखी। विधयक रघुबीर तेवतिया ने नेशनल हाईवे-19 से पृथला, दूधौला, धतीर, ततारपुर, जटौला और देवली को जोडने वाली सड़कों की अत्यंत खराब स्थिति का मुद्दा भी मंत्री के समक्ष रखा। विधायक ने कहा कि इन मार्गों पर बड़ी-बड़ी औद्योगिक इकाइयां स्थापित हैं, जहां से प्रतिदिन हजारों वाहन गुजरते हैं। साथ ही देश के प्रतिष्ठित श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय तक पहुंचने का मुख्य मार्ग भी यही है। इसके बावजूद सड़कें गहरे गड्ढों में तब्दील हो चुकी हैं, जिससे आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं और बरसात में भारी जलभराव बना रहता है। उन्होंने तत्काल सड़क निर्माण के साथ दोनों ओर चौडी नालियां बनाने की मांग की। विधायक तेवतिया ने हरियाणा रोडवेज की बस सेवाओं का मुद्दा भी मजबूती से उठाते हुए कहा कि आल्हापुर, बघौला और पृथला में फ्लाईओवर बनने के बाद अधिकांश बसें ऊपर से गुजर जाती हैं, जिससे ग्रामीण यात्रियों को भारी परेशानी उठानी पड़ती है। उन्होंने मांग की कि सभी रोडवेज बसों का संचालन फ्लाईओवर के नीचे बने ग्रामीण बस स्टॉपों से किया जाए, ताकि आम लोगों को सुविधा मिल सके। वहीं उन्होंने बघौला की सर्विस रोड की जर्जर स्थिति, नया गांव से जनौली मार्ग के बीचों-बीच बनी सीवर लाइन, खुले सीवर ढक्कनों और सड़क पर बने गहरे गड्ढों का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा कि सीवर लाइन को सड़क के किनारे स्थानांतरित कर सड़क का पुनर्निर्माण कराया जाए, ताकि दुर्घटनाओं पर रोक लग सके। बैठक में विधायक रघुबीर तेवतिया ने कुरारा, साहुपुरा और डाढ़ौता सहित विभिन्न गांवों में 6 करम चौड़े रास्तों को पक्का करने तथा चार और पांच करम चौड़े उन मार्गों का भी निर्माण कराने की मांग की, जिन्हें मार्केटिंग बोर्ड से जिला परिषद को हस्तांतरित किया गया है। उन्होंने गांव भुर्जा में जलभराव की समस्या का स्थायी समाधान करने के लिए सड़क के दोनों ओर नालियां बनाकर प्रभावी जल निकासी व्यवस्था विकसित करने की मांग भी रखी। भ्रष्टाचार के मुद्दे पर भी विधायक रघुबीर तेवतिया ने सरकार और अधिकारियों से सीधे सवाल किए। उन्होंने कहा कि नई बनी सड़कें मात्र तीन-चार महीने में ही टूट जाती हैं, जिससे निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल उठते हैं। उन्होंने मांग की कि निर्माण एजेंसियों और संबंधित ठेकेदारों की कार्यप्रणाली की विजिलेंस जांच कराई जाए तथा दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

स्ट्रोक और फैटी लिवर का आधुनिक तकनीक से इलाज संभव

फरीदाबाद। ग्रेटर फरीदाबाद सेक्टर 86 स्थित एकॉर्ड सुपरस्पेशियलिटी अस्पताल तथा आईएमए आयुष के संयुक्त तत्वावधान में नीलम बाटा रोड स्थित एक होटल में इलाज की नई तकनीकों की जागरूकता को लेकर सेमिनार का आयोजन किया गया। जिसमें शहर में 100 से अधिक डॉक्टरों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम में अस्पताल न्यूरोलॉजी डिपार्टमेंट के चेयरमैन डॉ.रोहित गुप्ता, गैस्ट्रोएंटरोलॉजी डिपार्टमेंट के चेयरमैन डॉ. रामचंद्र सोनी, डॉ. संदीप घोष एवं डॉ. तन्वी सावंत मुख्य अतिथि रहे। विशेषज्ञों ने न्यूरोलॉजी और गैस्ट्रोएंटरोलॉजी के क्षेत्र में आधुनिक उपचार पद्धतियों की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कहा कि स्ट्रोक और फैटी लिवर का आधुनिक तकनीक से पूरा इलाज संभव है। लोगों को जागरुक होकर समय पर अपना इलाज शुरू करवाना चाहिए। वरिष्ठ न्यूरोलॉजिस्ट डॉ. रोहित गुप्ता ने कहा कि स्ट्रोक एक मेडिकल इमरजेंसी है और इसके लक्षण दिखते ही मरीज को तुरंत विशेषज्ञ अस्पताल पहुंचाना चाहिए। उन्होंने बताया कि आधुनिक तकनीकों और समय पर

उपचार से मरीज की जान बचाने के साथ स्थायी विकलांगता के खतरे को भी काफी कम किया जा सकता है। गैस्ट्रोएंटरोलॉजी एवं हेपेटोलॉजी विभाग के चेयरमैन डॉ. राम चंद्र सोनी ने कहा कि फैटी लिवर तेजी से बढ़ती जीवनशैली से जुड़ी बीमारी बन गई है। उन्होंने लोगों से संतुलित आहार, नियमित व्यायाम और समय-समय पर स्वास्थ्य जांच कराने की अपील की, ताकि बीमारी को शुरुआती चरण में ही नियंत्रित किया जा सके। सेमिनार में उपस्थित न्यूरोलॉजिस्ट डॉ. संदीप घोष ने 'स्ट्रोक के इलाज में नई प्रगति' विषय पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि स्ट्रोक के इलाज में नई तकनीकों और दवाओं के कारण मरीजों के बेहतर परिणाम सामने आ रहे हैं। वहीं, गैस्ट्रोएंटरोलॉजिस्ट डॉ. तन्वी सावंत ने 'फैटी लिवर : नई जानकारियां' विषय पर व्याख्यान देते हुए कहा कि गलत खानपान और शारीरिक गतिविधि की कमी इस बीमारी के प्रमुख कारण हैं। सेमिनार उपस्थित आईएमए आयुष के अध्यक्ष डॉ. अनिल अहुजा, उपाध्यक्ष डॉ. अनिल गुप्ता, महासचिव डॉ. दीपक जैन ने कहा कि ऐसे सीएमई कार्यक्रम डॉक्टरों को चिकित्सा क्षेत्र की नवीनतम जानकारी से अपडेट रखने के साथ मरीजों को बेहतर और आधुनिक उपचार उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसलिए समय समय इन्हें करते रहना चाहिए।

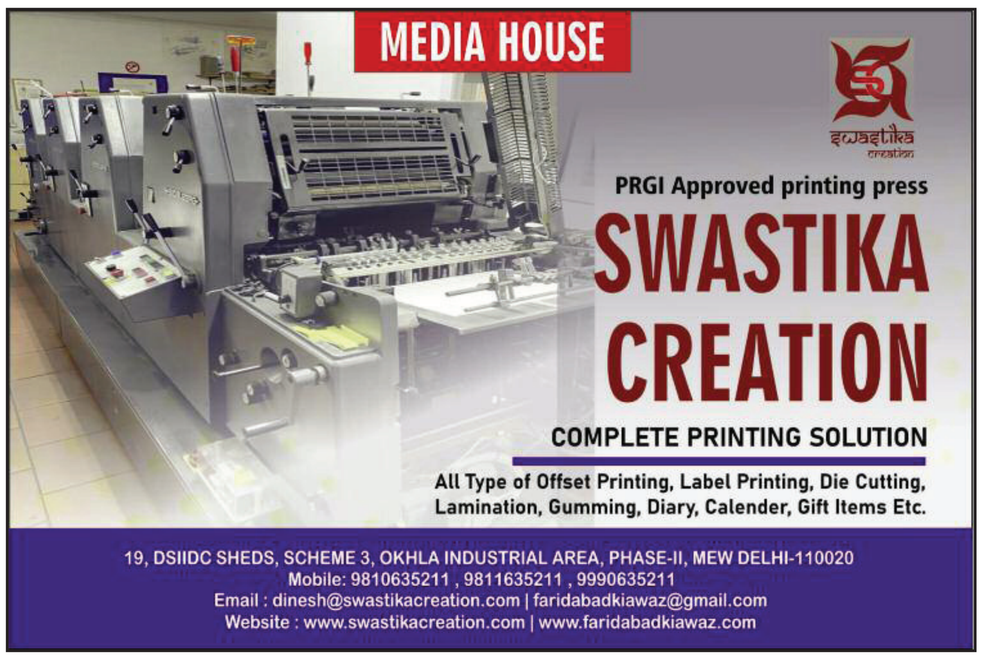

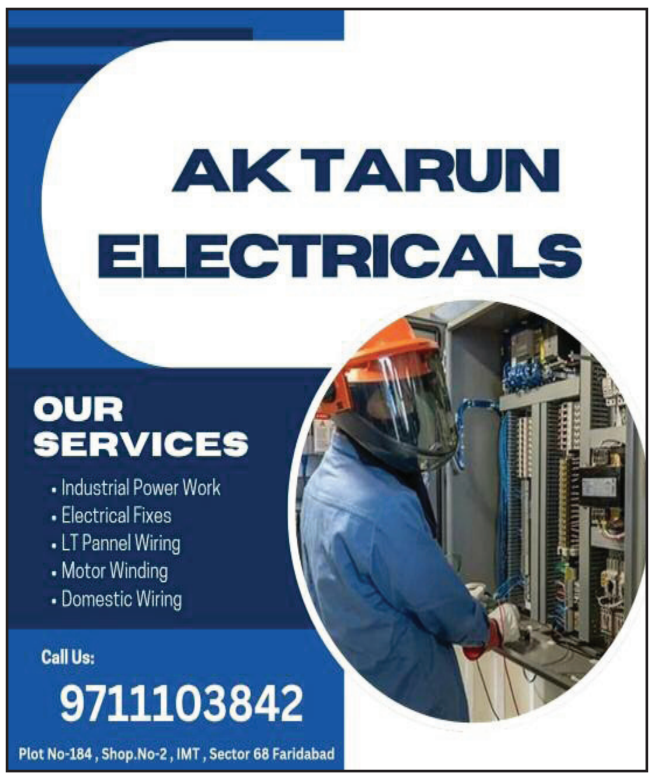

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक दिनेश शर्मा द्वारा स्वास्तिका क्रिएशन, 19 डीएसआईडीसी शेड, स्कीम-3, ओखला फेस-II, नई दिल्ली-110020 से मुद्रित करवाकर मुख्य कार्यालय 19 डीएसआईडीसी शेड, स्कीम-3, ओखला फेस-II, नई दिल्ली-110020 से प्रकाशित किया।
पीआरबी एक्ट के अंतर्गत रचनाओं के लिए उत्तरदायी। सभी विवादों का न्यायक्षेत्र फरीदाबाद न्यायालय होगा। फोन : 011-26386221 मो. : 9810635211 DCP Licencing No. F.2 (F-10) Press/2017 RNI No. - DELHIN/2017/76338